वर्ष : 33 ▸ अंक : 179 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, शनिवार, 14 सितंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़,
नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

हिंदी दिवस आज : हिंदी को आज़ाद कीजिए, मठों और सरकारी दफ्तरों से

दुर्गति के लिए कट्टरपंथी पैरोकार जिम्मेदार

वरिष्ठ पत्रकार संजय स्वतंत्र कहते हैं कि हिंदी अभी न तो प्रौद्योगिकी की भाषा है और न रोजगार की। फिर भी वह अंग्रेजी से आगे निकल रही है। उसे यह गति भारतीय मीडिया ने दी है। हम इस नई हिंदी को समकालीन भाषा कह सकते हैं, जिसे पूरा भारत बोलता औरसमझता है। अब हिंदी के पास अंग्रेजी से निरर्थक लड़ने का वक्त नहीं है। उसका तो किसी से और कभी बैर था भी नहीं। वह इतनी उदार है कि उर्दू और फारसी से लेकर अंग्रेजी तक के शब्दों को आत्मसात करती रही है। फिर हिंदी के प्रति उपेक्षा और द्वेष का भाव कहां से आया, यह सोचने का विषय है। दरअसल, बरसों तक हिंदी की दुर्गति के लिए और कोई नहीं, इस भाषा के कट्टरपंथी पैरोकार जिम्मेदार रहे।

कई भाषाओं का सम्मुचय है हिंदी

उन्होंने पाठ्यक्रमों की चारदिवारी और जरूरत से ज्यादा व्याकरणिक पाबंदियों के बीच हिंदी की रसधारा को सूखने दिया। साहित्य के मठाधीशों ने तो इसे ऐसी विशिष्ट भाषा बना दिया कि एक समय में यह उपहास का पात्र बनी रही। बकौल पत्रकार मयंक सक्सेना, हिंदी को लेकर कट्टर मत बनिए। हिंदी में और भाषाओं के नए शब्द और पुराने लफ़्ज़ आते रहे। तकनीकी तौर पर हिंदी दरअसल कोई भाषा नहीं क्योंकि इसकी अपनी लिपि नहीं है। देवनागरी, संस्कृत की लिपि है। हिंदी संस्कृत भी नहीं है, बल्कि तमाम भारतीय ज़ुबानों में सबसे नई ज़ुबान हिंदी है। भारतेंदु के पहले हिंदी कहां थी ये सोचना आप पर छोड़ देता हूं...लेकिन हिंदी में ज़्यादातर शब्द उर्दू, फारसी और अरबी से आते हैं। इसके अलावा संस्कृत के तद्भव भी हैं...लेकिन दरअसल हिंदी पुरानी हिंदुस्तानी या उर्दू का वो रूप है, जिसे नागरी में लिखना शुरु कर दिया गया।

अन्य भाषाओं का भी सम्मान कीजिये

इसलिए हिंदी दिवस की शुभकामना दीजिये, लेकिन हिंदी के साथ तमाम और भारतीय ज़ुबानों या भाषाओं का भी सम्मान कीजिए। जब कभी किसी को बांग्ला, तमिल, तेलुगू या उड़िया बोलते देखिए, उसका मज़ाक मत बनाइए। हिंदी को हिंदी दिवस के खांचे में फ्रेम करवा कर दीवार पर मत टांगिए। नए शब्दों का हमेशा स्वागत कीजिए। मुश्किल हिंदी, धीरे-धीरे हिंदी को आम आदमी से दूर कर देगी। जो भाषा जितनी लचीली और परिवर्तनशील होती है...उतनी ही प्रसारित होती है...हिंदी को आज़ाद कीजिए, मठों और सरकारी दफ्तरों से...

तानाजी सावंत के भतीजे घर के सामने फायरिंग

आरोपी हुआ फरार

दोपहर संवाददाता | धाराशिव/मुंबई

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत के भतीजे धनंजय सावंत के घर के सामने बीती रात अंधाधुंध फायरिंग कर अज्ञात लोग फरार हो गए । मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस की 14 सितंबर को परांडा में आम सभा होने वाली है, इसलिए फायरिंग की घटना से धाराशिव जिले में तनाव पसर गया है। इस घटना की छानबीन आंबी पुलिस स्टेशन की टीम सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से कर रही है।

हर ऐंगल से छानबीन कर रही है स्थानीय पुलिस

पुलिस के अनुसार स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत के भतीजे धनंजय सावंत धाराशिव जिले परांडा तहसील में सोनारी में रहते हैं। बीती रात उनके घर के सामने दो अज्ञात बदमाशों ने मोटरसाइकिल से आकर फायरिंग की और फरार हो गए। इस घटना की शिकायत धनंजय सावंत के सुरक्षारक्षक ने शुक्रवार को सुबह आंबी पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाया है। धनंजय सावंत ने बताया कि उन्हें विश्वास है कि पुलिस मामले की उचित जांच करेगी । स्थानीय पुलिस मामले की हर ऐंगल से छानबीन कर रही है।

राज्य सरकार का डिब्बा वालों को तोहफा

अंजनगांव में बनाए जाएंगे 12 हजार घर

दीपक पवार | मुंबई

मायानगरी की लाइफ लाइन कहे जाने वाले डिब्बा वालों के लिए राज्य सरकार ने गणेश उत्सव में एक बड़ा तोहफा दिया है। शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में सह्याद्री अतिथि गृह में मुंबई के डिब्बा वालों और चर्मकार संगठन एवं प्रियंका होम्स रियलिटी के बीच एक करार हुआ, जिसके तहत राज्य सरकार मुंबई से सटे ठाणे में डिब्बा वालों और चमड़े के कारीगरों को 12 हजार घरों का निर्माण किया जाएगा। यह सभी घर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जाएंगे। राज्य सरकार ने ठाणे के देवे अंजनगांव में 46 एकड़ जमीन पर घर बनाए जाने को मंजूरी दे दी है।

डिब्बा वालों और चर्मकार संगठन के साथ समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर

उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने डिब्बा वालों और चर्मकार संगठन के साथ समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर कहा कि भाजपा विधायक श्रीकांत भारतीय की पहल पर मुंबई के डिब्बा वालों का घर का सपना साकार होने जा रहा है। फडणवीस ने कहा कि मुंबई के डिब्बे वाले आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हो गए हैं और उन पर शोध चल रहा है। लेकिन उन्होंने इतनी ख्याति मिलने के बाद भी अपने सिद्धांतों को नहीं छोड़ा है। यही कारण है कि राज्य सरकार ने इन्हें इनके हक का घर देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि डिब्बा वालों के घरों की यह परियोजना तीन साल में पूरी हो जाएगी। इस योजना को म्हाडा के माध्यम से मंजूरी दी जाएगी।

मुंबई डिब्बा वाला एसोसिएशन ने उपमुख्यमंत्री फडणवीस का आभार जताया

राज्य सरकार द्वारा डिब्बा वालों की घर की परियोजना को मंजूरी देने पर मुंबई डिब्बा वाला एसोसिएशन ने उपमुख्यमंत्री फडणवीस का आभार जताते हुए कहा कि पिछले काफी समय से हम राज्य सरकार से अपने लोगों के लिए घर की मांग कर रहे थे। आखिरकार सरकार ने हमें यह तोहफा दिया है। सरकार ने प्रत्येक डिब्बा वाले के लिए 500 स्क्वायर फीट के मकान देने की घोषणा की है। हालांकि एसोसिएशन के लोगों ने घरों की कीमत कम करने की मांग की है।

दिल्ली शराब नीति केस

177 दिन बाद केजरीवाल की वापसी

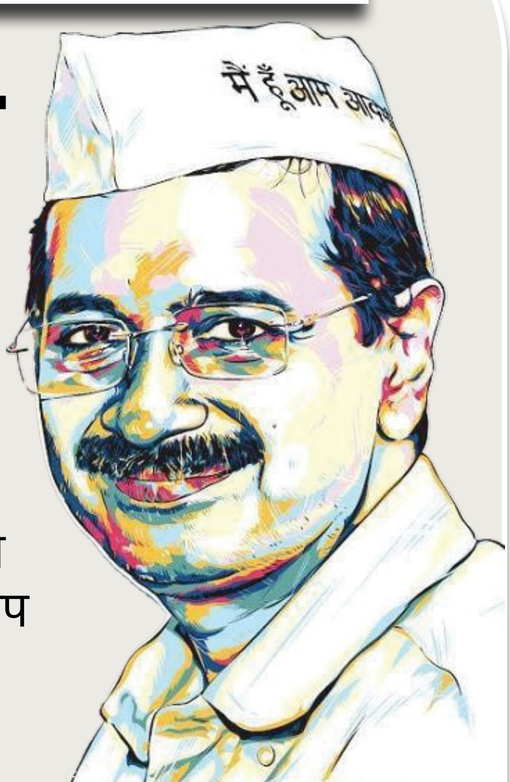

- अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत
- हरियाणा, महाराष्ट्र चुनाव से पहले आप के कार्यकर्ताओं में आया जोश
- केजरीवाल रिहा होने के बाद चुनावी राज्यों में कर सकेंगे चुनाव प्रचार

अमित बृज | मुंबई/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत देते हुए कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें जमानत दे दी है। केजरीवाल अब जेल से बाहर आ चुके हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान 21 दिनों के लिए सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। पार्टी सुप्रीमो के बाहर आने से निश्चित रूप से पूरी पार्टी में नया जोश दिखाई देगा।

मेरे खून का एक-एक कतरा देश के लिए है। मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है। इन लोगों को लगा कि मुझे जेल में डालकर मेरा हौसला तोड़ देंगे। आज मैं जेल से बाहर आ गया हूं और मेरे हौसले 100 गुना ज्यादा बढ़ गए हैं। मैं सच्चा था, मैं सही था इसलिए भगवान ने मेरा साथ दिया। ऊपर वाले ने मुझे रास्ता दिखाया, ऐसे ही भगवान रास्ता दिखाता रहे। ये राष्ट्रविरोधी ताकतें देश को जो अंदर से कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं मैं इनके खिलाफ ऐसे ही लड़ूं।

-अरविंद केजरीवाल
दिल्ली के मुख्यमंत्री

जमानत के लिए शर्तें

- अरविंद केजरीवाल न तो मुख्यमंत्री कार्यालय और न ही सचिवालय जा सकेंगे।
- किसी भी सरकारी फाइल पर तब तक दस्तखत नहीं करेंगे जब तक ऐसा करना जरूरी न हो।
- अपने ट्रायल को लेकर कोई सार्वजनिक बयान या टिप्पणी नहीं करेंगे।
- किसी भी गवाह से किसी तरह की बातचीत नहीं करेंगे।
- इस केस से जुड़ी किसी भी आधिकारिक फाइल तक पहुंच नहीं रखेंगे।
- जरूरत पड़ने पर ट्रायल कोर्ट में पेश होंगे और जांच में सहयोग करेंगे।

दोपहर विश्लेषण

चुनावों से पहले आप की जीत

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की जमानत आगामी महीनों में होने वाले प्रमुख चुनावों से पहले पार्टी के लिए बड़ी जीत के रूप में देखी जा सकती है। कांग्रेस के साथ गठबंधन की असफल वार्ता के बाद, केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में अकेले जाने का फैसला किया है। आप ने राज्य विधानसभा की सभी 90 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। आप की 20 उम्मीदवारों की पहली सूची सोमवार को जारी की गई क्योंकि कांग्रेस के साथ पार्टी की सीट बंटवारे की बातचीत टूट गई। कांग्रेस और आप ने इस साल की शुरुआत में दिल्ली में एक साथ, लेकिन पंजाब में अलग-अलग लोकसभा चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने हरियाणा में आम चुनावों में आप को एक सीट दी थी, जिस पर उसने असफल चुनाव लड़ा था। 2019 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में, आप ने 46 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन राज्य में अपना खाता खोलने में असफल रही थी।

पार्टी के प्रदर्शन पर कितना असर?

एक प्रखर वक्ता होने के नाते, अरविंद केजरीवाल से हरियाणा में निश्चित रूप से पार्टी के लिए स्टारक प्रचारक होंगे। इससे पार्टी के कैंपेन को धार मिलने की उम्मीद है। जनता से तुरंत जुड़ने की उनकी शैली और सार्वजनिक भाषणों के दौरान उनकी स्थानीय भाषा उन्हें विशिष्ट बनाती है। उनकी मौजूदगी से आम आदमी पार्टी के कैंपेन रणनीति में भी काफी तेजी आने की उम्मीद है। ऐसे में हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर होने की उम्मीद की जा रही है। कैंपेन में केजरीवाल की सक्रिय भागीदारी से न केवल आप की संभावनाएं बढ़ेंगी, बल्कि हरियाणा की राजनीति में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। दिल्ली के भीतर और बाहर एक लोकप्रिय और प्रभावशाली नेता होने के नाते, तिहाड़ जेल से केजरीवाल की रिहाई से निश्चित रूप से कई ऐसे कारक सक्रिय होंगे जो विभिन्न चुनावी राज्यों में नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं, जहां आप की हिस्सेदारी है।

केजरीवाल की रिहाई से किसको नुकसान

हरियाणा और जम्मू कश्मीर में चुनावों की तारीख करीब आ रही है। महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि केजरीवाल के बाहर आने से आम आदमी पार्टी को कितना फायदा होगा। केजरीवाल की रिहाई का एक दूसरा पहलू भी हैं। इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि राज्यों के अहम चुनाव से चुनिंदा राज्यों में सीमित प्रभाव रखने वाली पार्टी सबसे अधिक किसको नुकसान पहुंचाएगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केजरीवाल की रिहाई का निश्चित रूप से हरियाणा चुनाव में असर देखने को मिल सकता है। हालांकि, अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि यह असर कितना व्यापक या निर्णायक साबित होगा। अगर आम आदमी पार्टी हरियाणा में बेहतर करती है तो इसका स्पष्ट मायने हैं कि यह कांग्रेस को ही नुकसान करेगा।

महाराष्ट्र में कैसा होगा असर?

आम आदमी पार्टी ने पिछले महीने ही महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। आम आदमी पार्टी की मुंबई अध्यक्ष प्रीति शर्मा मेनन का कहना था कि पार्टी महाराष्ट्र में चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। प्रीति ने कहा था कि महाराष्ट्र में हमारा वोट बैंक बहुत मजबूत है। मुंबई में पार्टी 36 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। अब केजरीवाल की रिहाई के बाद निश्चित रूप से दिल्ली के सीएम वहां भी प्रचार के लिए जाएंगे। यहां पर आम आदमी पार्टी ने अकेले चुनाव में उतरने का फैसला किया है। ऐसे में केजरीवाल की मौजूदगी निश्चित रूप से पार्टी के लिए कुछ वोटों में इजाफा कर सकती है।

रेलमंत्री वैष्णव ने लोकल ट्रेन में की यात्रा

यात्रियों से पूछा हाल, शिकायत के निवारण का दिया आदेश

धीरज सिंह | मुंबई

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को लाखों मुंबईवासियों की जीवन रेखा लोकल ट्रेन से यात्रा की और यात्रियों से बातचीत की। वह दोपहर 2:34 बजे दक्षिण मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर ट्रेन में चढ़े और अपनी 27 किलोमीटर लंबी यात्रा के बाद 3:18 बजे भांडुप स्टेशन पर उतरे।

महाप्रबंधक समेत कई अधिकारी थे रेलमंत्री के साथ

रेलवे अधिकारियों ने कहा, एक पुरस्कार समारोह के लिए मुंबई पहुंचे केंद्रीय मंत्री अंबरनाथ जाने वाली लोकल ट्रेन के द्वितीय श्रेणी कोच में चढ़े थे। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि अश्विनी वैष्णव गणेश उत्सव के अवसर पर शहर में एक गणेश मंडल का भी दौरा कर रहे हैं। मध्य रेलवे के महाप्रबंधक धर्म वीर मीना और अन्य वरिष्ठ अधिकारी ट्रेन यात्रा के दौरान वैष्णव के साथ थे।

बारामती से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे अजित पवार

नितिन तोरस्कर | मुंबई

राकांपा (अजित) अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बारामती से चुनाव नहीं लड़ने की चर्चाओं पर विराम लग सकता है। पार्टी के शीर्ष नेताओं से हुई चर्चा के बाद अजित ने विधानसभा चुनावों में बारामती से लड़ने को तैयार हो गए हैं। हालांकि अभी इसकी अधिकृत घोषणा होना बाकी है। दरअसल, पार्टी ने ऐसा इसलिए किया है जिससे पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में एक सही संदेश जाए। इस मुद्दे पर अजित गुट के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल पहले ही कह चुके हैं कि अजित पवार हमारे कप्तान हैं और वह बारामती से ही चुनाव लड़ेंगे।

औपचारिक ऐलान जल्द

दरअसल बारामती से चुनाव नहीं लड़ने को लेकर खुद अजित ने बड़ी बात कही थी। बारामती में एक कार्यक्रम में अजित ने लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद कहा था कि बारामती को अब एक नया विधायक मिलना चाहिए। ताकि यहां के लोगों को मुझमें और नए विधायक में अंतर करने का मौका मिल सके। अजित पवार के इस बयान के बाद बहस शुरू हो गई थी कि क्या अजित पवार आगामी विधानसभा चुनाव में बारामती से चुनाव मैदान में नहीं उतरेंगे। हालांकि अब खबर सामने आई है कि पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं की सलाह के बाद अजित पवार बारामती से ही चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो गए हैं। हालांकि इसको लेकर अभी तक औपचारिक ऐलान नहीं किया गया है।

अजित की क्या दलील थी?

अजित ने कहा था कि मैंने बारामती का व्यापक विकास किया है और राज्य में सबसे ज्यादा फंड भी बारामती को दिया। लेकिन जब मैं कभी यह सोचता हूं कि इतना काम करने के बाद भी बारामती के लोगों ने लोकसभा चुनाव में अलग निर्णय लिया, तो फिर मैं यह सोचने पर मजबूर हूं कि बारामती के लोगों को अब मेरे अलावा कोई और विधायक मिलना चाहिए। उन्होंने कहा था कि वैसे भी मैं 33-34 साल राजनीति कर चुका हूं और अपने राजनीतिक करियर से संतुष्ट हूं। सूत्रों के हवाले से खबर है कि आगामी विधानसभा चुनाव में राकांपा (अजित) के ज्यादातर वर्तमान विधायकों को पार्टी ने चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी कर ली है। इक्का-दुक्का विधायकों को छोड़कर अजित ने अपना साथ देने वाले सभी विधायकों को चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है।

अब 'श्री विजयपुरम' के नाम से जाना जाएगा पोर्ट ब्लेयर

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम 234 सालों बाद बदलकर अब 'श्री विजयपुरम' कर दिया है। इसकी जानकारी देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'श्री विजयपुरम' नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और निकोबार के योगदान को दर्शाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में कहा कि देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का फैसला लिया है। इस भारतीय द्वीप का हमारे देश की स्वाधीनता और इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा है।

अमित शाह ने बताया संघर्ष का प्रतीक

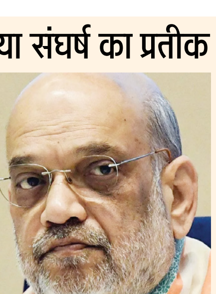

गृह मंत्री ने कहा कि चोल साम्राज्य में नौसेना अड्डे की भूमिका अदा करने वाला यह द्वीप आज देश की सुरक्षा और विकास को गति देने के लिए तैयार है। यह द्वीप नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी द्वारा सबसे पहले तिरंगा फहराने से लेकर सेलुलर जेल में वीर सावरकर व अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के द्वारा मां भारती की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का स्थान भी है।

दोपहर इन्फो : 1789 में ले. अर्कीबाल्ड ब्लेयर आए थे भारतीय द्वीप

इस भारतीय द्वीप पर अंग्रेजों के कब्जे में लेने के बाद 1788 एडी में अंडमान सागर का सर्वे करने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी ने ले.अर्कीबाल्ड ब्लेयर को भेजा था। वह वर्ष 1789 में इस द्वीप पर पहुंचे और लाव-लश्कर के साथ यहीं रहने लगे। तब उन्होंने इस द्वीप का नाम तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड कार्नवालिस के नाम पर रखा था, लेकिन बाद में इस बंदरगाह द्वीप का नाम ब्लेयर के नाम पर ही 'पोर्ट ब्लेयर' पड़ गया।

सस्ते घर बनाने का बॉम्बे हाई कोर्ट से रास्ता साफ

मुनीब चौरसिया | मुंबई

पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका के प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सस्ते घर बनाने का बॉम्बे हाई कोर्ट से रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने पिंपरी-चिंचवड के जिला अधिकारी के योजना के लिए पीसीएमसी को भूमि आवंटित करने को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दी है।मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ के समक्ष संतोष मधुकर भोंडवे की ओर से वकील सुगंध बी.देशमुख की दायर याचिका पर सुनवाई हुई।

पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के पत्र का यह अर्थ नहीं लगाया जा सकता है कि इसमें राज्य सरकार की ओर से कोई ऐसा आदेश था, जिसके कारण जिलाधिकारी को अपना विवेकाधिकार त्यागना पड़ा। पीसीएमसी के पक्ष में भूमि आवंटित करने के लिए जिलाधिकारी द्वारा पारित 18 जून 2018 के आवंटन आदेश में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

हिंदी को जीवन की भाषा बनाओ। यह केवल बोलचाल की भाषा नहीं, बल्कि विचारों की अभिव्यक्ति की भी भाषा है।
- मुंशी प्रेमचंद, लेखक

अब 20 से 40 आयु वर्ग की महिलाएं पिंक ई-रिक्शा के लिए कर सकेंगी आवेदन

- फिलहाल 18 से 35 साल की महिलाओं को आवेदन की थी अनुमति
- राज्य के महिला व बाल विकास विभाग ने नियमों में किया संशोधन

दोपहर संवाददाता | मुंबई

प्रदेश सरकार ने जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार के लिए पिंक (गुलाबी) ई-रिक्शा उपलब्ध कराने की योजना के नियमों में संशोधन किया है। इससे अब ई-रिक्शा खरीदने के अनुदान के लिए अब 20 से 40 वर्ष आयु वर्ग की महिलाएं आवेदन कर सकेंगी। फिलहाल 18 से 35 आयु वर्ग वाली महिलाएं योजना के लाभ के लिए पात्र थीं। शुक्रवार को राज्य के महिला व बाल विकास विभाग ने इस बारे में शासनादेश जारी किया है। इसके मुताबिक लाभार्थी महिला को प्रशिक्षण, ड्राइविंग लाइसेंस और पीएसवी बैज के लिए सरकार की ओर से चयनित एजेंसी को सहायता करना अनिवार्य होगा। वाहन आपूर्ति करने वाली एजेंसी को पात्र लाभार्थी को ई-रिक्शा खरीदने के बैंक से 70 प्रतिशत कर्ज उपलब्ध कराने में सहयोग करना होगा।

आवेदन के बाद लॉटरी के जरिए लाभार्थी का चयन

लाभार्थी को ई-रिक्शा मिलने के बाद जिला महिला व बाल विकास अधिकारी के जरिए वाहन आपूर्ति एजेंसी को 20 प्रतिशत राशि प्रदान की जाएगी। इससे पहले बीते 8 जुलाई को सरकार ने जरूरतमंद महिलाओं को पिंक ई-रिक्शा उपलब्ध कराने की योजना को मंजूरी दी थी। महिलाओं की ओर से आवेदन के बाद लॉटरी के जरिए लाभार्थी का चयन किया जाएगा। पिंक ई-रिक्शा की कीमत 4 लाख रुपए होगी। जिसमें से सरकार 20 प्रतिशत राशि उपलब्ध कराएगी। जबकि 10 प्रतिशत राशि लाभार्थी को देना पड़ेगा। इसके अलावा 70 प्रतिशत राशि जिला बैंक और राष्ट्रीय कृत बैंकों से कर्ज लेना होगा।

मुंबई, ठाणे सहित राज्य के 17 शहरों में 10 हजार ई-रिक्शा

लाभार्थी को अगले पांच सालों में कर्ज की राशि लौटना पड़ेगा। वार्षिक 3 लाख रुपए आय वाली महिलाएं ही इस योजना के तहत आवेदन कर सकेंगी। सरकार ने प्रदेश के 17 शहरों में 10 हजार पिंक ई-रिक्शा उपलब्ध कराने का फैसला किया है। मुंबई उपनगर में 1400, ठाणे में 1000, नई मुंबई में 500, कल्याण में 400, डोंबिवली में 400, वसई-विरार में 400, पनवेल में 400, छत्रपति संभाजीनगर में 400, पुणे में 1400, नाशिक में 700, नागपुर में 1400, पिंपरी में 300 सहित दूसरे शहरों में महिलाओं को ई-रिक्शा उपलब्ध कराया जाएगा।

विदर्भ में महाराष्ट्र बीजेपी को लगा बड़ा झटका

कांग्रेस छोड़कर गए गोपालदास पार्टी में लौटे

- रमेश चेन्निथला ने गोपालदास का किया स्वागत
- गोंदिया सीट से तीन बार विधायक रहे चुके हैं गोपालदास

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने विदर्भ में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। पार्टी ने 2019 में बीजेपी का रुख करने वाले गोपालदास अग्रवाल को घर वापसी कर ली है। गोंदिया के बीजेपी नेता गोपाल अग्रवाल रमेश चेन्निथला और नाना पटोले की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुए। इस मौके पर महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा कि यह समय राहुल गांधी की देश जोड़ने की मुहिम से जुड़ने और बांटने वाली ताकतों को स्पष्ट जवाब देने का है। पटोले ने इस मौके पर कहा कि बीजेपी यह आरोप कि सांसद राहुल गांधी आरक्षण विरोधी हैं, 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' जैसा है। गोपालदास अग्रवाल ने शक्ति प्रदर्शन के कांग्रेस में वापसी की। अग्रवाल 2009 से लेकर 2014 तक लगातार जीते थे। 2019 के चुनावों में निर्दलीय विनोद अग्रवाल जीत गए थे।

'बीजेपी को विदर्भ में करें दफन'

महाराष्ट्र विधानसभा में नेता विपक्ष विजय वडेट्टीवार ने कहा कि विदर्भ कांग्रेस की धरती है। बीजेपी को विदर्भ की धरती में दफन कर विधानसभा में जीत का झंडा फहराएं। इससे पहले रमेश चेन्निथला ने कहा कि बीजेपी ने लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किये, सांसदी रद्द की, सरकारी आवास छीना, ईडी जांच में देरी की लेकिन देश की जनता ने लोकसभा में बीजेपी को स्पष्ट जवाब दे दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी और कांग्रेस के बीच वैचारिक लड़ाई चल रही है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा कर देश को एकजुट करने का काम किया है।

'महाराष्ट्र में है घोटालेबाज सरकार'

रमेश चेन्निथला ने आगे कहा कि महाराष्ट्र सरकार सबसे घोटालेबाज सरकार है। प्रधानमंत्री ने अजित पवार पर 70 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया और उन्हें सत्ता में पहुंचाया। चेन्निथला ने कहा कि विदर्भ के लोगों ने हमेशा कांग्रेस का समर्थन किया है और उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए गोपाल अग्रवाल का कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया है कि वे विधानसभा चुनावों में भी इसका समर्थन करेंगे। नाना पटोले ने कहा कि गोंदिया शहर को चावल नगरी के नाम से जाना जाता है लेकिन भाजपा सरकार की नीति के कारण यह व्यवसाय समाप्त हो गया है। धान को एमएसपी नहीं मिलती, कांग्रेस सरकार आने पर हम धान का उचित मूल्य देंगे और बोनस भी देंगे।

'कांग्रेस जीतेगी 100 से ज्यादा सीटें'

विपक्षी नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि बीजी सरकार बहनों की साड़ियों पर 18% जीएसटी लगाकर और 100 रुपये का भुगतान करके उन्हें लूट रही है। बीजेपी बजरंग बली के नाम पर, श्री राम के नाम पर वोट मांगती है लेकिन लोकसभा चुनाव में उन्हें न तो श्री राम मिले और न ही बजरंग बली। जब भी विदर्भ से कांग्रेस को समर्थन मिलता है, महाराष्ट्र में कांग्रेस सत्ता में आती है। विदर्भ कांग्रेस की भूमि है, बीजेपी को इस मिट्टी में दफन कर दो और जीत का झंडा फहराओ। वडेट्टीवार ने यह भी विश्वास जताया कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी 100 से ज्यादा सीटें जीतेगी।

'ईद मिलादुन्नबी जुलूस में डीजे हो बैन'

- उलेमाओं और पुलिस की अहम बैठक में अपील

दोपहर संवाददाता | मुंबई

पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर ईद मिलादुन्नबी का त्योहार मनाया जाता है। इस बार 18 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी का जुलूस मुंबई सहित महाराष्ट्र भर में निकाला जाएगा। इस जुलूस में इस बार डीजे को पूरी तरह से बैन करने की पहल मुस्लिम तंजीमों (संस्थाओं) ने की है। इसी को लेकर गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक मुंबई में हुई। इस बैठक में मुंबई के कई मुस्लिम संस्थाओं के प्रतिनिधि, उलेमा और पुलिस के आला अफसर मौजूद थे।

इस साल 18 सितंबर को मनाया जाएगा ईद मिलादुन्नबी का त्योहार इस साल ईद मिलादुन्नबी का त्योहार 16 सितंबर को है। लेकिन 17 सितंबर को अनंत चतुर्दशी भी है। आपसी सौहार्द बना रहे और दोनों समाज में कोई टकराव न हो इसको लेकर 18 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी जुलूस निकालने का निर्णय मुस्लिम समाज ने लिया है।यह जुलूस पैगंबर साहब की सीख के अनुसार निकले इसके लिए जुलूस में डीजे को प्रतिबंधित करने की कोशिश मुस्लिम संस्थाएं अपने-अपने स्तर पर कर रही हैं। इसी कड़ी में गुरुवार कोअंजुमन बाशिंदगाने बिहार की ओर से अंजुमन इस्लाम स्कूल में एक बैठकआयोजित की गई थी। इस बैठक में पुलिस उपायुक्त (जोन-1) प्रवीण मुंढे, जमीयतुल उलेमा के अध्यक्ष मौलाना अब्दुस्सलाम कासमी, बुद्धिजीवी व पद्मश्री डॉ. जहीर काजी, माहिम और हाजी अली दरगाह के ट्रस्टी सुहेल खंडवानी आदि उपस्थित थे।

संस्था के सहयोग से पुलिस करेगी कार्रवाई

पुलिस उपायुक्त प्रवीण मुंढे ने जुलूस में डीजे प्रतिबंध को लेकर संस्था द्वारा की गई पहल की सराहना की है। उन्होंने मेहमूद हकीमी से 25 वालंटियर मुहैया कराने की अपील की है। इन वालंटियरों की मदद से पुलिस जुलूस में शामिल डीजे वाहनों पर आसानी से कार्रवाई कर सकेगी। डॉ.जहीर काजी ने मुस्लिम नौजवानों से अपील की है कि वे डीजे पर खर्च करने की बजाय अस्पताल में जाकर जरूरतमंदों की मदद करें। सुहेल खंडवानी ने कहा कि क्षेत्रीय मस्जिदों-मदरसों से उलेमा एक जिम्मेदारी के तहत जुलूस में डीजे का इस्तेमाल न करने की अपील करेंगे।

जिला परिषद के बांधकाम विभाग का कामकाज हुआ ऑनलाइन

- राज्य में पहले जिला परिषद में पेमेंट गेटवे का प्रयोग

दोपहर संवाददाता | ठाणे

जिला परिषद की ओर से शिक्षित बेरोजगार,मजदूर कामगार, सहकारी संस्था को बांधकाम विभाग 10 लाख के अंदर तक के विकास काम को ऑनलाइन लाटरी माध्यम से बी.जे. हाईस्कूल में वितरण किया गया। साल 2024-25 के 166 विकास काम का वितरण ऑनलाइन लाटरी पद्धति से जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे व अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रुपाली सातपुते के हाथों से वितरण किया। इस बार जिला परिषद के अंतर्गत ग्रामीण भागों में विकास करने के लिए विकास काम का लाटरी पद्धति से वितरण किया गया। इसके आगे काम का वितरण ऑनलाइन लाटरी पद्धति से फेसबुक, युट्यूब से लाईव किया जायेगा। विकास कामों को गति देने के लिए अच्छी शुरुआत हुई।मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में जिला में विकास काम का वितरण ऑनलाइन से पारदर्शिता आयेगी।

गौरी गणपति विसर्जन में कृत्रिम तालाबों में भारी भीड़

दोपहर संवाददाता | ठाणे

श्री सह गौरी विसर्जन के छठे दिन, ठाणे नगर क्षेत्र में विसर्जन स्थलों पर एक सुव्यवस्थित योजना के तहत कुल 14399 गणेश मूर्तियों और 1147 गौरी मूर्तियों का विसर्जन किया गया। इसमें 109 सार्वजनिक मंडल गणेश प्रतिमाएं भी थीं। बड़ी संख्या में भक्तों ने छह दिवसीय गणेश मूर्तियों और गौरी मूर्तियों को ठाणे नगर निगम द्वारा बनाए गए कृत्रिम तालाबों में विसर्जित किया, जिसने पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव की परंपरा को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। ठाणे नगर निगम के 10 स्थानों पर स्थित गणेश मूर्ति स्वीकृति केंद्र में प्राप्त कुल 259 गणेश प्रतिमाओं का नगर निगम की ओर से स्वीकृति केंद्र के निकट कृत्रिम तालाबों में विधिवत विसर्जन किया गया। जबकि पांचवें दिन ठाणे नगर निगम क्षेत्र में 7096 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इसमें 58 सार्वजनिक मंडल मूर्तियां शामिल थीं।

कृत्रिम तालाबों के साथ-साथ छोटे टैंकों की भी व्यवस्था

पिछले वर्ष से नगर निगम ने निस्तारी के लिए कृत्रिम तालाबों के साथ-साथ छोटे टैंकों की भी व्यवस्था की थी। इस हिसाब से पिछले वर्ष 42 स्थानों पर टैंक की सुविधा उपलब्ध थी। इस वर्ष यह संख्या बढ़ाकर 49 कर दी गई है।

15 स्थानों पर कृत्रिम झीलों की व्यवस्था

इसके अलावा, जेल झील, माधवी हाउस-राम मारुति रोड, महागिरी कोलीवाड़ा, टेम्बी नाका, रीजेंसी हाइट्स-आजादनगर, लोढ़ा लक्जरी, कामगार अस्पताल, किसान नगर बस स्टॉप, मॉडला चेक नाका, देवदया नगर-शिवाई नगर में मूर्ति स्वीकृति केंद्र हैं। अंबेघोसले, मसुंदा दत्त घाट, खारीगांव, घोलाई नगर, दतिवली झील, खिड़कली झील, न्यू शिवाजी नगर कलवा झील, नीलकंठ वुड्स- टिकुजिनी वाडी, रेवाले, बोरीवाडे, ब्रह्माण्ड रितु पार्क, हीरानंदानी रेलादेवी-1, रेलादेवी-2, उपवन झील क्षेत्र-वर्तकनगर, देवदयानगर आदि 15 स्थानों पर कृत्रिम झीलों की व्यवस्था की गई है।इसके अलावा, कोपरी, पारसिक रेती बंदर, रेतीबंदर-1, रेतीबंदर-2-राणानगर, फास्ट ट्रैक ब्रिज, बाबाजी पाटिल वाडी, शंकर मंदिर घाट, कोलशेत, बालकुम जैसे 09 स्थानों पर विसर्जन घाटों की व्यवस्था है।

मुफ्त नेत्र उपचार शिविर एवं सिलाई मशीनों का वितरण

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

पूर्व केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री कपिल पाटिल ने कहा कि धामनकर नाका मित्र मंडल का कार्य अन्य मंडलों के लिए प्रेरणादायी है क्योंकि वे गणेशोत्सव मनाते हुए सामाजिक चेतना के साथ विभिन्न सामाजिक गतिविधियां चलाते हुए अनेक जन हित के कार्यक्रमों का आयोजन करते रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा कि गणेशोत्सव के दौरान संतोष शेट्टी के मार्गदर्शन में देशभर के प्रसिद्ध मंदिरों की प्रतिकृतियां बनाकर भिवंडीकर के नागरिकों के सामने लाकर लाखों गणेश भक्तों को दर्शन लाभ का अवसर दिया हैं। वह भिवंडी शहर में एकता के राजा कहे जाने वाले धामनकर नाका मित्र मंडल की ओर से गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित करने के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उक्त कार्यक्रम में जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन का वितरण पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के हाथों किया गया। इस अवसर पर पूर्व सदन नेता सुमित पाटिल, भाजपा महासचिव विशाल पठारे, राम माली उपस्थित थे।

अतिक्रमण विभाग ने ऐरोली अनुभाग में की अतिक्रमण कार्रवाई

दोपहर संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई मनपा अतिक्रमण विभाग की ओर से नोटिस देने के बावजूद संबंधितों द्वारा नोटिस पर ध्यान न देने के कारण अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ अतिक्रमण विभाग के माध्यम से नवी मुंबई मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे एवं डॉ. के निर्देशानुसार राहुल गेठे के मार्गदर्शन में अतिक्रमण विभाग ने ऐरोली प्रभाग में तोड़फोड़ की कार्रवाई की।

अनुमति के बिना आरसीसी भवन का निर्माण

नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्राधिकार के तहत जी डिवीजन ऐरोली के अंतर्गत सागरनाथ राम माधवी, हाउस नंबर -30, मच्छी मार्केट के पीछे, दिवा गांव, सेक्टर -9, ऐरोली में आरसीसी भवन का निर्माण नवी मुंबई नगर निगम की अनुमति के बिना शुरू किया गया था। उक्त अनधिकृत निर्माण को ऐरोली डिवीजन के माध्यम से महाराष्ट्र क्षेत्रीय योजना और नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धारा 54 के तहत नोटिस जारी किया गया था। संबंधित द्वारा किये गये अनाधिकृत निर्माण को हटाना आवश्यक था। लेकिन उन्होंने अनधिकृत निर्माण जारी रखा. रिट याचिका संख्या 1591/2023 में माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार छत निर्माण को आंशिक रूप से हटाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। चूंकि पोकलेन, जेसीबी जैसे मिशनर उक्त स्थान पर नहीं जा सकते, इसलिए इस अभियान के लिए 7 हथौड़ों, 6 ब्रेकर और 15 मजदूरों का उपयोग किया गया है और ऐरोली डिवीजन के अधिकारी/कर्मचारी अभियान के लिए मौजूद थे।

एक ही इलाके में चेन स्नैचिंग की दो वारदातें

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में गणेशोत्सव के दौरान जहां पुलिस की गश्त बढ़ गई है, वहीं शहर के कामतघर इलाके में दो अलग-अलग स्थानों पर चोरों ने महिलाओं के गले से चेन छीन कर फरार होने की घटनाएं घटी है।

पहली घटना : नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

पहली घटना में ममता बालाजी गुज्जा रात लगभग 8:30 बजे ब्रम्हानंदनगर में तुलजा भवानी मंदिर के सामने सड़क से जा रही थी, तभी 30 से 35 वर्ष की उम्र के एक अज्ञात चोर ने जबरन उनके गले से सोने का मंगलसूत्र खींच लिया। तीन तोले के मंगलसूत्र की कीमत 1 लाख 20 हजार रुपए बताई गई है। इस मामले में महिला की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस अपराध की जांच पुलिस उपनिरीक्षक आकाश पवार कर रहे हैं।

दूसरी घटना : भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

इस तरह दूसरी घटना इसी स्थान से कुछ दूरी पर भाग्यनगर में हुई। इस इलाके में रहने वाली 37 साल की सिलाई का काम करने वाली महिला संध्या गोवर्धन जकुल्ला रात करीब 10:50 बजे अपने घर लौटी थी। दरवाजा खोलते समय अज्ञात चोर ने महिला के गले से जबरन 15 हजार रुपए कीमत के 10 ग्राम वजन के सोने का मंगलसूत्र खींच लिया और पैदल ही भाग गया। इस मामले में महिला द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उक्त दोनों मंगलसूत्र छीनैती की घटना से क्षेत्र की महिलाओं में दहशत का माहौल व्याप्त है।

फ़िनलैंड संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

दोपहर संवाददाता | मुंबई

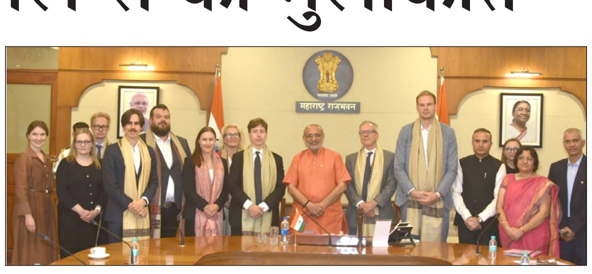

फिनिश संसद की वाणिज्य समिति के अध्यक्ष सकारी पिस्तो ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन से राजभवन मुंबई में मुलाकात की। इस अवसर पर मुंबई विश्वविद्यालय, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय और महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालयों के कुलपति भी उपस्थित थे। मुंबई में फिनिश वाणिज्य दूत एरिक एफ हॉलस्ट्रॉम भी उपस्थित थे। इस दौरान विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

उपराष्ट्रपति ने किया संविधान मंदिर का उद्घाटन

दोपहर संवाददाता | मुंबई

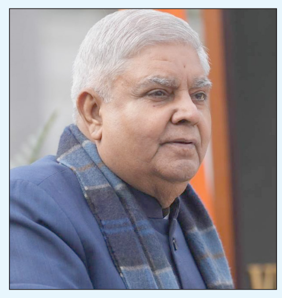

कौशल विकास विभाग द्वारा प्रदेश के 434 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में 15 सितंबर को उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ के हाथों 'संविधान मंदिर समर्पण' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के एक हजार कॉलेजों में 'आचार्य चाणक्य कौशल विकास केंद्र' और 'पुण्यश्लोक अहिल्या देवी स्टार्टअप योजना' का शुभारंभ किया. कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने बताया कि यह 20 सितंबर को आयोजित किया जायेगा। मंत्री लोढ़ा मंत्रालय विधानमंडल प्रेस कक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। इस अवसर पर कौशल विकास विभाग के सचिव गणेश पाटिल, राज्य नवप्रवर्तन सोसायटी के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी विकास नायक उपस्थित थे।

संविधान मंदिर का उद्घाटन समारोह

विश्व लोकतंत्र दिवस पर राज्य के 434 आईटीआई में संविधान मंदिर का उद्घाटन, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे , उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस , उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवप्रवर्तन मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा रविवार 15 सितंबर 2024 को सुबह 11 बजे एलफिंस्टन टेक्निकल कॉलेज में आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रत्येक छात्र को हमारे भारतीय संविधान के बारे में पढ़ाया जाएगा और इस गतिविधि को लागू किया जाएगा ताकि भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के विचारों को जाना जा सके।

दोपहर
दो बजे पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार कोई भी अपने आप में दूसरों से अधिक महान नहीं : अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट

न्यूज़ ब्रीफ

21 सितंबर को जुहू बीच पर समुद्र तट सफाई अभियान

मुंबई। हर साल की तरह इस साल भी 21 सितंबर को सुबह 7 बजे मुंबई के जुहू बीच पर राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से समुद्र तट सफाई अभियान चलाया जाएगा। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव प्रवीण दराडे ने इसकी जानकारी दी। वह समुद्र तट सफाई अभियान के संयोजन में दलामल हाउस , नरीमन पॉइंट में अंतर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस के अवसर पर आयोजित एक बैठक में बोल रहे थे। गवर्नर सी. पी. राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे , उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस , अजित पवार समुद्र तट सफाई अभियान में शामिल होंगे।

गणेश भक्तों के लिए मध्य रेलवे का बड़ा तोहफा

अनंत चतुर्दशी पर रातभर चलेगी लोकल ट्रेन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मध्य रेलवे दिनांक 14 सितंबर, 15 सितंबर और दिनांक 17 सितंबर को सीएसएमटी मुंबई और कल्याण के बीच मुख्य लाइन पर सीएसएमटी से कल्याण/ठाणे और वापसी यात्रा हेतु 22 विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवा चलाएगा। हार्बर लाइन पर दिनांक 17 सितंबर को केवल गणपति विसर्जन के दिन सीएसएमटी से पनवेल और वापसी यात्रा (रिटर्न) विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवा चलेंगी। विशेष ट्रेन सेवा नीचे दिए गए समयानुसार सीएसएमटी मुंबई और कल्याण/ठाणे/पनवेल के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

डाउन मेन लाइन पर लोकल

सीएसएमटी-कल्याण विशेष 1 सीएसएमटी मुंबई से 01.40 बजे प्रस्थान करेगी और 03.10 बजे कल्याण पहुंचेगी। सीएसएमटी-ठाणे विशेष 1 सीएसएमटी मुंबई से 02 .30 बजे प्रस्थान करेगी और 03.30 बजे ठाणे पहुंचेगी। सीएसएमटी-कल्याण विशेष 3 सीएसएमटी मुंबई से 03 .25 बजे प्रस्थान करेगी और 04 .55 बजे कल्याण पहुंचेगी।

अप मेन लाइन पर

कल्याण-सीएसएमटी विशेष 2 कल्याण से 00 :05 बजे प्रस्थान करेगी और सीएसएमटी मुंबई में 01.30 बजे पहुंचेगी। ठाणे-सीएसएमटी विशेष 2 ठाणे से 01.00 बजे प्रस्थान करेगी और सीएसएमटी मुंबई में 02.00 बजे पहुंचेगी। ठाणे-सीएसएमटी विशेष 4 ठाणे से 02.00 बजे प्रस्थान करेगी और सीएसएमटी मुंबई में 03 .00 बजे पहुंचेगी।

डाउन हार्बर लाइन पर (केवल 17 सितंबर को)

सीएसएमटी-पनवेल विशेष 1 सीएसएमटी मुंबई से 01 .30 बजे प्रस्थान करेगी और पनवेल में 02 .50 बजे पहुंचेगी। सीएसएमटी-पनवेल विशेष 3 सीएसएमटी मुंबई से 02 .45 बजे प्रस्थान करेगी और पनवेल 04 .05 बजे पहुंचेगी।

अप हार्बर लाइन पर (केवल 17 सितंबर को)

पनवेल-सीएसएमटी विशेष 2 पनवेल से 01 .00 बजे प्रस्थान करेगी और सीएसएमटी मुंबई 02 .20 बजे पहुंचेगी। पनवेल-सीएसएमटी विशेष 4 पनवेल से 01 .45 बजे प्रस्थान करेगी और सीएसएमटी मुंबई 03 .05 बजे पहुंचेगी।

'देवेंद्र फडणवीस ने बेटी की कसम खाकर किया था वादा'

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस पर भड़के एकनाथ खडसे

दोपहर संवाददाता । मुंबई

लंबे समय से भाजपा में पुनर्प्रवेश की राह देख रहे वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे की नाराजगी आज खुलकर सामने आ गई। उन्होंने कहा है कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें अपनी बेटी की कसम खाकर राज्यपाल बनवाने का वायदा किया था। लेकिन उन्होंने अपना वायदा पूरा नहीं किया। खडसे लोकसभा चुनाव के पहले से ही राकांपा छोड़कर भाजपा में आने की राह देख रहे हैं। लेकिन अब उन उनका धैर्य जवाब दे गया लगता है। तभी उन्होंने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा है कि देवेंद्र फडणवीस ने 2019 में उन्हें राज्यपाल बनवाने का वायदा किया था। लेकिन उन्होंने अपना यह वायदा पूरा नहीं किया। खडसे ने कहा कि फडणवीस के यह वायदा करने के बाद मैंने उनसे कहा था कि देवेंद्र जी सच सच बोलो। आपने कई बार मुझसे कहा कि मैं ये करूंगा, वो करूंगा। लेकिन कुछ किया नहीं। इसलिए मुझे विश्वास नहीं होता। तब देवेंद्र ने कहा था कि मैं अपनी इकलौती पुत्री की कसम खाकर यह वायदा कर रहा हूं। ऐसी कसम खाने के बावजूद उन्होंने अब तक अपना वायदा पूरा नहीं किया है।

2019 में काटा गया था उनका टिकट

बता दें कि एकनाथ खडसे महाराष्ट्र भाजपा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का प्रमुख चेहरा माने जाते रहे हैं। प्रदेश की राजनीति में वह प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे के करीबी रहे हैं। 2014 में देवेंद्र फडणवीस की सरकार में राजस्व मंत्री बनने के बाद कुछ विवादों से जुड़ने के कारण 2019 में उनका टिकट काट दिया गया था।

केंद्रीय नेताओं से मिलने दिल्ली गए थे खडसे

खडसे हाल के लोकसभा चुनाव से पहले अपनी बहू रक्षा खडसे को पुनः टिकट मिलने के बाद भाजपा के केंद्रीय नेताओं से मिलने दिल्ली गए थे। वहां उनकी मुलाकात भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं महासचिव विनोद तावड़े से हुई थी। उस समय चर्चाएं चली थीं कि खडसे राकांपा छोड़कर पुनः भाजपा में आ सकते हैं। लेकिन आजतक ऐसा हो नहीं सका। चूंकि खडसे ओबीसी वर्ग का बड़ा चेहरा माने जाते हैं और मराठा आरक्षण को लेकर मराठा आंदोलनकर्ता मनोज जरांगे पाटिल इन दिनों देवेंद्र फडणवीस पर तीखे वार कर रहे हैं। इसलिए भी माना जा रहा था कि भाजपा खडसे को अपने साथ लेकर कम से कम अन्य पिछड़ा वर्ग को तो संभालने का प्रयास करेगी। लेकिन खडसे की नाराजगी से भाजपा की इस उम्मीद पर भी पानी फिरता दिखाई दे रहा है।

शरद पवार ने बनाया था विधान परिषद का सदस्य

उसके बाद वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में चले गए थे, जहां शरद पवार ने उन्हें विधान परिषद का सदस्य बना दिया गया था। लेकिन उनके भाजपा छोड़ने से पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में ही उनकी बहू रक्षा खडसे को भाजपा ने लोकसभा का टिकट दिया था, और वह जीतीं भी। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले खडसे के राकांपा में होने के कारण ही रक्षा खडसे को पुनः टिकट मिलने को लेकर आशंका जताई जा रही थी। लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट भी दिया, और जीतने के बाद केंद्र में मंत्री भी बनाया है।

भाइयों ने भी लिया 'लाड़ली बहिन योजना' का लाभ

पोर्टल पर मिले 12 आवदेन; देख दंग रह गए अधिकारी

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनाव नजदीक हैं। कभी भी इसको लेकर चुनाव आयोग की तरफ से ऐलान हो सकता है। चुनाव से पहले शिंदे सरकार जनता से लोक-लुभावन वादे कर रही है। वहीं जनता के हित में तरह-तरह की योजनाएं चला रही है, ताकि इसका फायदा चुनाव में मिल सके। कुछ महीने पहले शिंदे सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार की 'लाडली बहन योजना' के तर्ज पर 'लड़की बहिन योजना' शुरू की है। इस योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। महिलाएं सितंबर महीने के अंत तक आवेदन कर सकती हैं। इसके बाद पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। हालांकि इस 'लड़की बहिन योजना' का लाभ लेने के लिए लोग तरह-तरह के हथकंड़े अपना रहे हैं। महिलाएं छोड़िए पुरुष भी इस योजना का लाभ लेने के लिए अपना जेंडर ही बदल दे रहे हैं। बकायदा महिलाओं की फोटो लगाकर आवेदन कर दे रहे हैं, लेकिन जब आवेदन में डाले गए आधार नंबर को चेक किया जा रहा है तो उनकी खुद की फोटो निकल कर सामने आ रही है।

12 भाइयों ने बहन की फोटो लगा किया आवेदन

मामला छत्रपति संभाजीनगर जिले के कन्नड़ तालुका का है। यहां 12 भाइयों ने अपनी-अपनी बहन की फोटो लगाकर 'लड़की बहिन योजना' का लाभ लेने के लिए आवेदन पत्र भर दिया। कन्नड़ महिला एवं बाल कल्याण विभाग में जब इनके आवदेन पत्र की जांच की गई तो सभी के सभी पुरुष निकले। यह देख विभाग के अधिकारी हैरान रह गए। मामले को लेकर मंत्री शंभुराज देसाई ने बताया कि आवेदन भरने वाले भाइयों की जांच शुरू कर दी गई है।

आधार कार्ड अपने नाम से अपलोड किया

शिंदे सरकार ने पात्र महिलाओं को 'मुख्यमंत्री लड़की बहिन योजना' का लाभ प्रदान करने के लिए योजना के आवेदन की अंतिम तारीख 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। संभाजीनगर जिले के कन्नड़ तालुका में इस योजना के तहत अब तक 92 हजार 98 आवेदन दाखिल किये गए हैं। 30 अगस्त को इन आवेदन का सत्यापन किया गया। इसमें 12 भाइयों ने संबंधित पोर्टल पर अपने नाम से आवेदन दाखिल किया था। आधार कार्ड भी अपने नाम से अपलोड किया, गारंटी फॉर्म भी अपने नाम से भरा।

नेहरू विज्ञान केंद्र में अंतरर राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन

वैश्विक नेतृत्व को प्रोत्साहित करने में बौद्ध धर्म की भूमिका पर होगी चर्चा

मुंबई। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ शनिवार को संयुक्त रूप से मुंबई के वर्ली स्थित नेहरू विज्ञान केंद्र में भगवान बुद्ध के मध्यम मार्ग द्वारा भविष्य के वैश्विक नेतृत्व को मार्गदर्शन विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य धम्म अनुयायियों को दार्शनिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विविधता के मध्य वैश्विक मूल्यों का प्रसार और आंतरिकीकरण मार्ग पर विचार-विमर्श तथा मिलजुल कर कार्य कर व्यक्तिगत और वैश्विक रूप से वर्तमान की चुनौतियों का सामना कर विश्व के भविष्य के लिए सतत मॉडल का प्रस्ताव देना है। मंत्रालय ने बयान में बताया कि सम्मेलन में 3 विषयों पर आधुनिक समय में बौद्ध धर्म की भूमिका और प्रासंगिकता, सचेत प्रौद्योगिकी की महत्ता और नवीन नेतृत्व और बौद्ध धर्म का क्रियान्वयन पर सत्रों का आयोजन होगा।

भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ किया राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन

नितिन तोरस्कर । मुंबई

अमेरिका में राहुल गांधी के आरक्षण विरोधी बयान के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुल ने कहा कि आरक्षण खत्म करना कांग्रेस की गुप्त इच्छा है, जो राहुल गांधी के मुंह से आखिर निकल ही गई। भाजपा राहुल गांधी की आरक्षण विरोधी भूमिका का तीव्र विरोध करती है।

कई जगहों पर आंदोलन

मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार, राष्ट्रीय सचिव पंकजा मुंडे, ए मिहिर कोटेचा ने मुंबई के घाटकोपर में विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के खिलाफ नारे लगाए। आशीष शेलार ने कहा कि जब तक राहुल गांधी दादर में बाबा साहब अंबेडकर के स्मारक चैत्यभूमि पर जाकर माफी नहीं मांगते, तब तक यह आंदोलन पूरे प्रदेश में जारी रहेगा। इस आंदोलन में ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन, स्मिता वाघ, ए. सुरेश भोले जलगांव में, संजय सावकरे, उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदा पाटिल पुणे में, वन और संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार चंद्रपुर में, आवास मंत्री अतुल सावे छत्रपति संभाजीनगर में राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया।

राहुल गांधी के विरोध में नारेबाजी

चंद्रशेखर बावनकुले ने आकोला जिले में कहा कि अमेरिका में राहुल गांधी के बयान से साफ है कि लोकसभा चुनाव से पहले जातीय जनगणना, आदिवासियों और दलित लोगों के प्रति चिंता जताने वाली कांग्रेस सामाजिक न्याय को लेकर अपनी भूमिका में दोहरी मानसिकता वाली है। प्रदेश में जगह-जगह राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाते हुए भाजपा नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और कांग्रेस खासकर राहुल गांधी के विरोध में नारेबाजी की।

लोकतंत्र की नींव अब भी मजबूत है: पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलना साबित करता है कि देश में लोकतंत्र की नींव अब भी मजबूत है।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कथित आबकारी नीति घोटाले के संबंध में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में केजरीवाल को जमानत दे दी। न्यायालय ने कहा कि लंबे समय तक कारावास में रखना स्वतंत्रता से अन्यायपूर्ण तरीके से वंचित करना है।

'लंबी लड़ाई सत्य की जीत के साथ समाप्त हुई'

पवार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दिए जाने से एक बात स्पष्ट हो गई है कि देश में लोकतंत्र की नींव अभी भी मजबूत है। लंबी लड़ाई सत्य की जीत के साथ समाप्त हुई है। केजरीवाल की जमानत ने इस भावना की पुष्टि की है कि किसी को अनुचित तरीकों से हराने की साजिश लोकतांत्रिक देश में कभी सफल नहीं होगी।'

महाराष्ट्र, हरियाणा चुनाव परिणामों का मोदी सरकार की स्थिरता पर पड़ेगा प्रभाव: पृथ्वीराज चव्हाण

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के बाद सरकार बदल जाएगी और इसका असर केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन सरकार की स्थिरता पर भी पड़ेगा। चव्हाण ने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र में महिलाएं सिर्फ 'लाडकी बहिन' योजना के कारण भाजपा को वोट नहीं दे देंगी। मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर राज्य में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन में 'तनाव' पर उन्होंने कहा कि अब तक का फॉर्मूला यह रहा है कि सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी को पद मिलता है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर हॉस्पिटल, कांदिवली (प.) मुंबई-400067

क्र. एचओ/बीडीबीएएच/6712/एसआर दिनांक 12/09/2024

ई-महानिविदा सूचना

चिकित्सा अधीक्षक, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर म्युनिसिपल जनरल हॉस्पिटल, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई - 400 067. निम्नलिखित कार्य के लिए तीन चरण बोली ई-टेंडर आमंत्रित करता है।

ई टेंडर नोटिस के बारे में विवरण बृहन्मुंबई नगर निगम की वेबसाइट https:/mahatenders,gov.in पर उपलब्ध होगा।

ई-निविदा का विवरण इस प्रकार हैः

अ.क्र .	विवरण	ई -निविदा क्र.	जांच शुल्क	ईएमडी	आरंभ तिथि और समय ऑनलाइन बोली डाउनलोड करने का	ऑनलाइन बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय
01.	इंजेक्शन रेबीज मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी 100IU/2.5ML	2024 एमसीजीएम _108484435_1	रु.3000/ +18% जीएसटी	रु. 40000/-	14/09/2024 को दोपहर 01.00 बजे तक	23/09/2024 को 01.00 बजे

नोटः- बयाना राशि जमा (ईएमडी) का ऑनलाइन भुगतान करने की अंतिम तिथि निर्धारित तिथि और समय से पहले है।
यदि कोई शुद्धिपत्र होगा तो उसे केवल बीएमसी एवं महाटेंडर वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।

मनपा आयुक्त को किसी भी स्तर पर बिना कोई कारण बताए सभी या किसी भी ई-निविदा को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

हस्ता/
चिकित्सा अधीक्षक भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल, कांदिवली (पश्चिम)

पीआरओ/1287/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

9 साल बाद पहली बार मुनाफे के हाईवे पर दौड़ने लगी एसटी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पिछले कुछ सालों से आर्थिक संकट झेल रही एसटी 9 साल बाद पहली बार मुनाफे के हाईवे पर दौड़ने लगी है . वित्तीय संकट में फंसी एसटी ने अब रफ्तार पकड़ ली है और निगम की वित्तीय दौड़ शुरू हो गई है। अगस्त महीने में 31 में से 20 सेगमेंट में मुनाफा हुआ है. इस महीने एसटी कॉर्पोरेशन को 16 करोड़ 86 लाख 61 हजार रुपये का मुनाफा हुआ है. लगभग 9 वर्षों के बाद एसटी कॉर्पोरेशन मुनाफे में आया, उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. माधव कुसेकर ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है और उनसे प्रयास करने की अपील की है ताकि निगम भविष्य में भी लगातार लाभ में रहे ।

वित्तीय संकट में था एसटी निगम

पिछले दो वर्षों में कोरोना महामारी और उसके बाद छह महीने तक कर्मचारियों की लंबी हड़ताल के कारण एसटी निगम वित्तीय संकट में था। मई 2022 से एसटी की सुचारू परिवहन सेवा प्रारंभ । हालाँकि , बड़ी चुनौती एसटी की कम हुई सवारियों को वापस एसटी में स्थानांतरित करना था। इस समय, राज्य सरकार ने दो योजनाएं शुरू कीं, अर्थात् 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए सभी प्रकार की बसों में मुफ्त यात्रा और सभी महिलाओं के लिए एसटी यात्री टिकटों पर 50 प्रतिशत की छूट , जिसके कारण एसटी यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। । वर्तमान

में प्रतिदिन औसतन 54 लाख यात्री एसटी से यात्रा कर रहे हैं। इसके साथ ही, एसटी प्रशासन ने ₹हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे स्वच्छ, सुंदर बस स्टेशन अभियान₹ , छात्रों के लिए स्कूल के लिए सीधा पास , प्रवासी राजा दिवस , श्रमिक माता-पिता दिवस , श्रावण में एसटी संगे तीर्थटन जैसी कई नवीन गतिविधियों को लागू किया है । साथ ही, जो विभाग पिछले कई वर्षों से घाटे में हैं, उनका मार्गदर्शन करने के लिए केंद्रीय कार्यालय से संरक्षक अधिकारियों की नियुक्ति की गई। स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों व अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। घाटे वाले रूटों पर बस सेवाएं बंद कर उन्हें उन रूटों पर डायवर्ट कर दिया गया है , जहां यात्री ज्यादा हैं। वहीं, ख़राब बसों का अनुपात 12 प्रतिशत से बढ़कर 6 प्रतिशत हो गया। पिछले वर्ष की तुलना में यह आधे से भी कम हो गया है। साथ ही, ड्राइवरों और मैकेनिकों को लगातार शिक्षित करने से डीजल की खपत में 0 ।52 किमी की वृद्धि हुई ।

गेस्ट संपादकीय

हिंदी मुबारक

हिंदी अभी न तो प्रौद्योगिकी की भाषा है और न रोजगार की। फिर भी वह अंग्रेजी से आगे निकल रही है। उसे यह गति भारतीय मीडिया ने दी है। हम इस नई हिंदी को समकालीन भाषा कह सकते हैं, जिसे पूरा भारत बोलता औरसमझता है। अब हिंदी के पास अंग्रेजी से निरर्थक लड़ने का वक्त नहीं है। उसका तो किसी से और कभी बैर था भी नहीं। वह इतनी उदार है कि उर्दू और फारसी से लेकर अंग्रेजी तक के शब्दों को आत्मसात करती रही है। फिर हिंदी के प्रति उपेक्षा और द्वेष का भाव कहां से आया, यह सोचने का विषय है। दरअसल, बरसों तक हिंदी की दुर्गति के लिए और कोई नहीं, इस भाषा के कट्टरपंथी पैरोकार जिम्मेदार रहे। उन्होंने पाठ्यक्रमों की चारदिवारी और जरूरत से ज्यादा व्याकरणिक पाबंदियों के बीच हिंदी की रसधारा को सूखने दिया। साहित्य के मठाधीशों ने तो इसे ऐसी विशिष्ट भाषा बना दिया कि एक समय में यह उपहास का पात्र बनी रही। हिंदी पर साहित्य के इस अनावश्यक आवरण को सबसे पहले सिनेमा और फिर मीडिया ने उतार फेंका। हिंदी के इस नए रूप का परंपरावादियों ने यह कह कर विरोध किया कि यह तो बाजार की भाषा है। क्षेत्रीय भाषाओं के अलावा देशज शब्दों और मुहावरों से समृद्ध हुई हिंदी कोई एक दिन नें नहीं बनी है। भाषा के बनने की एक सतत प्रक्रिया होती है। वह समय और स्थान के हिसाब से बनती-बिगड़ती रहती है। पिछले दो दशक में मीडिया और बाजार ने एक नई हिंदी बनाई है। यह कुछ को भली लगती है, तो कुछ को अखरती भी है। आप देश में कहीं भी चले जाइए, इस भाषा को बोलने वाले मिल ही जाएंगे। यही वजह है कि गैर हिंदीभाषी राज्यों में भी हिंदी के चैनल और अखबार पहुंचे हैं और वहां के लोगों की आवाज बन रहे हैं। पाठकों के सरोकार के साथ उनकी बोलियों के शब्दों को भी बखूबी स्वीकार किया है। लेकिन पिछले एक दशक में हिंदी मीडिया ने भाषा को एक बार फिर परिमार्जित किया है। इससे हिंदी जरूरत से ज्यादा चमकी है। मीडिया का प्रभु वर्ग इसे युवा भारत की भाषा बनाना चाहता है। इसका समर्थन भी है और विरोध भी, लेकिन इस पर चिंता जताने वाले यह नहीं बताते कि 'हिंग्रेजी' बनती हिंदी अपने सामान्य रूप में कैसे बरकरार रहे! कैसे वह नई तकनीक से जुड़े शब्दों को अंगीकार करे और इससे जुड़े नए शब्द तैयार कर उन्हें प्रचलित किया जाए! टीवी और अखबार के साधारण दर्शकों और पाठकों की भाषा आज भी सामान्य ही है। लेकिन ताबड़तोड़ खबरें देने और ब्रेकिंग न्यूज के इस दौर में हिंदी की टांग तोड़ी जाती है। अंग्रेजी के शब्दों का जिस कदर बेधड़क प्रयोग होता है, उससे समझ नहीं आता कि यह संवाद क्या केवल 'इंडिया' के 'प्रभु वर्ग' से किया जा रहा है, जो सिर्फ अंग्रेजी में सोचता है! आज जरूरत इस बात की है कि मीडिया की भाषा का एक मानक तय हो। मगर आलम यह है कि एक ओर जहां खबरों की विश्वसनीयता का संकट है, तो दूसरी ओर भाषा की सहजता, निश्छलता और भावप्रवणता खतरे में है। अब वह दिल को नहीं छूती। मीडिया की अभिव्यक्ति हर प्रकाशन और समाचार चैनल में अलग-अलग हो सकती है, लेकिन सामान्य व्याकरण और शब्दों के मामले में एकरूपता होनी चाहिए। नई हिंदी का स्वरूप आधुनिक तो हो, लेकिन अगर हम समाधान को 'सोल्यूशन' लिखेंगे तो हिंदी में बोलचाल के अपने शब्द 'उपाय' या 'हल' को धीरे-धीरे गायब कर देंगे। हिंदी का अपना व्याकरण है। तत्सम, तद्भव और देशज शब्दों से हिंदी का किला इतना मजबूत है कि अंग्रेजी के तमाम शब्द सेंध लगा लें, इसे कमजोर नहीं कर सकते। समकालीन लेखकों और पत्रकारों का यह दायित्व है कि वे हिंदी को परिमार्जित तो करते रहें, मगर इसकी शब्द-संपदा का भरपूर प्रयोग करते हुए इसके मूल चरित्र को बनाए रखें, तभी मीडिया की हिंदी सभी को सहज और अपनी लगेगी। - **संजय स्वतंत्र**

हिंदी बोलते समय इतनी शर्म क्यों?

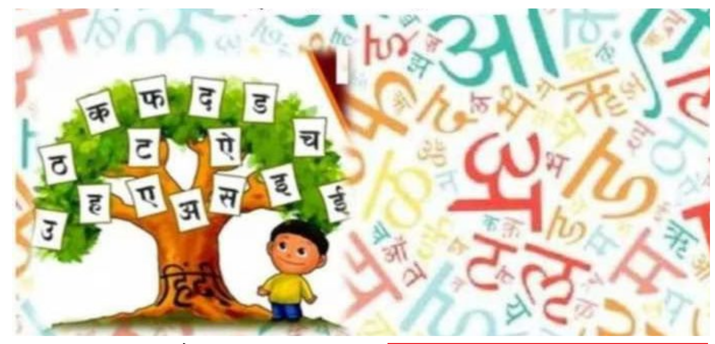

प्रियंका सौरभ

किसी भी भाषा की सुंदरता उसके उपयोगकर्ता के कौशल में निहित होती है। यह बोलते समय आवाज, उच्चारण और स्वर पर भी निर्भर करता है। मुझे लगता है कि इलाहाबादी हिंदी बहुत पॉलिश है और इसी तरह हिंदी फिल्मों में इस्तेमाल की जाने वाली टपोरी भाषा थोड़ी अजीब है। देहाती बिहारी लहजे में भी मजा आता है। मूल रूप से, भाषा के विभिन्न द्वंद्वात्मक रूप हैं। इसलिए कोई भाषा नीरस नहीं लगती। अगर लोग हिंदी या कोई भी भारतीय भाषा ठीक से बोलते हैं – तो वह पॉलिश दिखाई देगी। हमें बस किसी भी भाषा का अच्छा संस्करण सुनना है। बोलचाल के प्रयोग ने उच्चारण को इतना दूषित कर दिया है कि हम इस तरह की राय विकसित करने की प्रवृत्ति रखते हैं। विशेष रूप से सभी पुरानी भाषाएँ – संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली, आदि वास्तव में मधुर और संगीतमय हैं।

राष्ट्रीय हिंदी दिवस पूरे देश में हिंदी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। भाषा को बढ़ावा देने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी दिन देश के राष्ट्रपति हिंदी भाषा और साहित्य में योगदान के लिए लोगों को सम्मानित भी करते हैं। यह दिन 14 सितंबर को मनाया जाता है क्योंकि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था। साथ ही 14 सितंबर को राजेंद्र सिम्हा की जयंती है, जिन्होंने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा बनाने की दिशा में अथक प्रयास किया। भारत की संविधान सभा ने 1949 में हिंदी भाषा को भारत की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में अपनाया और मान्यता दी। हिंदी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। यह भारत गणराज्य की 22 अनुसूचित भाषाओं में से एक है। दुनिया में बोली जाने वाली कुल भाषाओं में हिंदी पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। संविधान का अनुच्छेद 343 भारत की राजभाषा से संबंधित है।

2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में लगभग 43.6% वक्ता हिंदी को अपनी मातृभाषा के रूप में पहचानते हैं। हिंदी नाम की उत्पत्ति फारसी में हुई है। हिंद शब्द का अर्थ फारसी में 'सिंधु नदी की भूमि' है। 11वीं शताब्दी की शुरुआत में तुर्की आक्रमणकारियों ने इस क्षेत्र की भाषा को हिंदी, 'सिंधु नदी की भूमि की भाषा' नाम दिया था। हिन्दी की आधुनिक लिपि देवनागरी 11वीं शताब्दी में अस्तित्व में आई। दुनिया में बोली जाने वाली कुल भाषाओं में हिंदी पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, युगांडा, सूरीनाम, त्रिनिदाद और मॉरीशस सहित विभिन्न देशों में बोली जाती है। दुनिया भर में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है।

शिक्षा मंत्रालय ने 1960 में केंद्रीय हिंदी निदेशालय की स्थापना की। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने विदेशों में विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों में 'हिंदी चेयर' की स्थापना की है। स्व-शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक स्व-शिक्षण एप्लिकेशन लीला-राजभाषा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से भारतीय भाषाएँ सीखें) बनाई गई है। राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्ति पुरस्कार हिंदी भाषा में योगदान के लिए दिए जाते हैं। केंद्रीय हिंदी निदेशालय की स्थापना 1960 में शिक्षा मंत्रालय के तहत गैर-हिंदी भाषी भारतीय राज्यों के लोगों, विदेशों में बसे भारतीयों और हिंदी सीखने के इच्छुक विदेशी नागरिकों को पत्राचार के माध्यम से हिंदी का ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। ई-सरल हिंदी वाक्य कोष और ई-महाशब्दकोश मोबाइल ऐप, राजभाषा विभाग की दोनों पहलों का उद्देश्य हिंदी के विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है। राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्ति पुरस्कार हिंदी में योगदान को मान्यता देते हैं।

हिन्दी निश्चय ही एक समृद्ध और सुन्दर भाषा है। यह न केवल साहित्य के कारण बल्कि भाषा की सुंदरता से भी समृद्ध है। यह न केवल दोस्तों (तू, तेरा आदि) के साथ अनौपचारिक होने की स्वतंत्रता देती है, बल्कि एक बड़े/वरिष्ठ (आप, आपका) को भी सम्मान देती है-जो कुछ भाषाओं, विशेष रूप से अंग्रेजी में दिखाई नहीं देता है। ध्वन्यात्मक भाषा स्क्रिप्ट को सीखना और उपयोग करना आसान बनाती है क्योंकि का + आ हमेशा का होता है, बिना किसी अपवाद के। विभक्तियों को ठीक से वर्गीकृत किया जाता है, औपचारिक रूप से भी सीखना आसान हो जाता है। खड़ी बोली, ब्रजभाषा आदि बोलियों को शामिल करके और यहां तक कि उर्दू जैसी अन्य भाषाओं ने इसे और अधिक सुंदर बना दिया है। कई भारतीय भाषाओं की तरह इसकी व्याकरण भी समझने में आसान है। कबीर और तुलसीदास जैसे कवियों ने सदियों से समकालीन कवियों तक इसे वह गहराई दी है जिसके वह हकदार हैं। उनकी भाषा के सुंदर अलंकार हिंदी को जन-भाषा बनाते हैं। क्या इसमें कोई आश्चर्य की बात है कि यह भारत में व्यापक रूप से क्यों बोली जाती है? फिर भी यहाँ अंग्रेजी को तवज्जो दी जाती है। 125 मिलियन से अधिक अंग्रेजी बोलने वालों के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अंग्रेजी बोलने वाला देश है। अधिकांश शिक्षण संस्थानों में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय है। लेकिन उनमें से ज्यादातर अंग्रेजी को अपनी दूसरी भाषा के रूप में पसंद करते हैं। कुछ भारतीयों की मानसिकता ऐसी है कि धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना नौकरी पाने में फायदेमंद होता है और यह सिर्फ भारत में ही नहीं है।

दुनिया के अधिकांश गैर-अंग्रेजी भाषी देश (जैसे जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, आदि) दुनिया भर में ऐसे लोगों को नियुक्त करते हैं जो अपने स्कूलों, विश्वविद्यालयों आदि में पढ़ाने के लिए धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से सोचती हूं, न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में अंग्रेजी कब्जा कर रही है।

सहज योग

सहज योग प्रेम की शक्ति

साफ साफ झूठ बोलना और उससे लाभ पता नहीं उनको यहां कॉल हो जाए शायद! कुछ रुपया पैसा ज्यादा कमा लें लेकिन वो स्वर्ग में नहीं जा सकते। मैं चाहती हुई हूं, सहजयोगी आज से कसम ले लें, 'न तो हम झूठ बोलेंगे और न तो हम झूठों की मदद करेंगे।'

आज्ञा होता है, उसमें एक चीज है कि 'अहंकार'। जब आदमी में अहंकार आ जाता है, तो कोई भी गलती करता है, बुराई करता है, किसी का नुकसान करता है, पैसा खाता है। वो सब नर्क में जाएंगे। मैं आपको बता देना चाहती हूं कि आपको पैसा नहीं खाना चाहिए। कोई आप मर नहीं रहे हैं । क्या किया पैसा ज्यादा कमा के, क्या कर रहे हैं? दो चार लाईट्स लगा लिए होंगे और कोई दो चार औरतें रख ली होंगी और क्या है ? लेकिन अब जब नर्क में जाएंगे तो आपका क्या हाल होने वाला है।' दिवाली के दिन में ये बात इसलिए कह रही हैं, दिवाली इसलिए मनाई गई थी कि जब सीताजी वापस राम के पास आ गई।' जब हमारे पास चरित्र आ जाएगा तो फिर हम गुलाम नहीं रह सकते । हम अपने ही गुलाम हैं, दूसरे के थोड़ी ही। किसी भी बात के लिए झूठ नहीं बोलना है । हम दिल्ली बहुत रह चुके हैं और हम तो हैरान थे, कि लोग कितना झूठ बोलते हैं,

यहां, बाप रे बाप ! उनको कोई डर ही नहीं ! साफ साफ झूठ बोलना और उससे लाभ पता नहीं उनको यहां कॉल हो जाए शायद! कुछ रुपया पैसा ज्यादा कमा लें लेकिन वो स्वर्ग में नहीं जा सकते। मैं चाहती हुई हूं, सहजयोगी आज से कसम ले लें, 'न तो हम झूठ बोलेंगे और न तो हम झूठों की मदद करेंगे।' अपने देश के बारे में लोग ये कहते हैं कि बड़े बेईमान हैं। हां सब जगह। मैं तो बहुत दूर घूमी हम। सब में मैंने देखा, कि रशिया के लोग हैं। बहुत बढ़िया! वो आधे सहजयोगी तो हैं ही और बहुत सहजयोगी हैं। मैं रशिया इस साल जा भी नहीं पाई । अगले साल जाऊंगी जरुर ही। पर इसका ये मतलब है, कि हम डेमॉक्रेसी नहीं पाल सके। हमें भी कम्युनिस्ट होना चाहिए ।

वहां कोई चोरी चकारी नहीं, झूठ बोलना नहीं और सब बहुत प्यार करते हैं। मेरा भी बहुत मान है । लेकिन समझने की बात यह है कि हम खान जा रहे हैं? दो-चार पैसे कमाने के लिए हम जा कहां रहे हैं? हमें क्या मिलने वाला है ? सो पहले तो इमानदारी अपने साथ होनी चाहिए । तुम्हारे बेईमानी से तुम्हारे ही लोगों को तकलीफ होगी । हिंदुस्तान को लोग कहते हैं, कि यहां के लोग बड़े बेईमान हैं। शर्म आती है सुन कर के। तुम्हारे यहां इतने बड़े बड़े संत हो गए, इतने इतने महान पुरुष हो गए और यहां पर लोग बड़े चोर हैं और बहुत चोरी करते हैं और बुराई करते हैं, तो इससे पहले ही तो आपका आज्ञा डर गया। बड़े बड़े रईस बन जाएंगे। देखिए, अंत में रईस साहब चले जा रहे हैं नरक में । मैं आज बताना चाहती हूं, कि दिवाली का मतलब ये है, कि नर्क अंधेरा है और तुम प्रकाश हो। गए हो। तुमको चाहिए कि जहां एक भी अंधेरा हो वहाँ लड़ो और ये बताओ, कि ये गलत बात है। इससे हमारा देश सुधरेगा।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा

अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट : जन्म 14 सितंबर 1769

जन्म

फ्रेडरिक विल्हेम हेनरिक अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट एक जर्मन बहुज्ञ, भूगोलवेत्ता, प्रकृतिवादी, खोजकर्ता और रोमांटिक दर्शन और विज्ञान के प्रस्तावक थे। उनका जन्म 14 सितंबर 1769 को और निधन 6 मई 1859 को हुआ था। उन्होंने वानस्पतिक भूगोल पर हम्बोल्ट के मात्रात्मक कार्य ने जीव-भूगोल के क्षेत्र की नींव रखी।

कोई भी अपने आप में दूसरों से अधिक महान नहीं

सबसे खतरनाक विश्वदृष्टिकोण उन लोगों के विश्वदृष्टिकोण हैं, जिन्होंने कभी दुनिया नहीं देखी है। मैं इस बात को लेकर अधिक आश्वस्त हूं कि हमारी खुशी या नाखुशी उन घटनाओं की प्रकृति की तुलना में जीवन की घटनाओं से मिलने के तरीके पर अधिक निर्भर करती है। जबकि हम मानव प्रजाति की एकता को बनाए रखते हैं, साथ ही हम मनुष्यों की श्रेष्ठ और निम्न नस्ल की निराशाजनक धारणा को भी खारिज करते हैं। ऐसे राष्ट्र हैं जो दूसरों की तुलना में साधना के प्रति अधिक संवेदनशील हैं, अधिक सभ्य हैं, मानसिक साधना से अधिक समृद्ध हैं - लेकिन कोई भी अपने आप में दूसरों से अधिक महान नहीं है। जो आत्मा से बात करता है, वह हमारे माप से बच जाता है। प्रकृति व्यथित मन के लिए बहुत सुखदायी हो सकती है। जीवित प्रकृति का यह दृश्य जहां मनुष्य कुछ भी नहीं है, अजीब और दुखद दोनों है। यहां, उपजाऊ भूमि में, शाश्वत हरियाली में, तुम मनुष्य के निशान व्यर्थ ही खोजते हो; आपको लगता है कि आप जिस दुनिया में पैदा हुए थे, उससे अलग आपको एक अलग दुनिया में ले जाया गया है। अधिकांश जानवरों में, मनुष्य की तरह, वर्षों के काम, घरेलू आदतों और संस्कृति की प्रगति के बाद इंद्रियों की सतर्कता कम हो जाती है। हमारी कल्पना केवल उस चीज़ से प्रभावित होती है जो महान है; लेकिन प्राकृतिक दर्शन के प्रेमी को छोटी-छोटी बातों पर भी समान रूप से विचार करना चाहिए। संभवतः मुझे अध्ययन और अन्वेषण के लिए उन परिस्थितियों से अधिक अनुकूल परिस्थितियों में नहीं रखा जा सकता था जिनका मैं अब आनंद उठा रहा हूं। सामाजिक दाव-पेचों से सभ्य जीवन में निरंतर उत्पन्न होने वाले विकर्षणों से मैं मुक्त हूं।

प्रकृति सीखने के लिए लगातार सबसे नवीन और आकर्षक वस्तुएं प्रदान करती है। इस एकांत का एकमात्र दोष यूरोप में वैज्ञानिक खोज की प्रगति के बारे में जानकारी की कमी और विचारों के आदान-प्रदान से उत्पन्न होने वाले सभी लाभों की कमी है।

प्रेरक प्रसंग

स्वयं मत बोलो, कर्म को बोलने दो

विनोबा भावे नित्य सारी चिट्ठियां जो आश्रम में आतीं, पढ़ा करते और समय से उत्तर देना नहीं भूलते थे। एकदिन एक आश्रम के वरिष्ठ सदस्य वहां बैठे हुए थे। चिट्ठियां छांटते-छांटते विनोबा ने एक

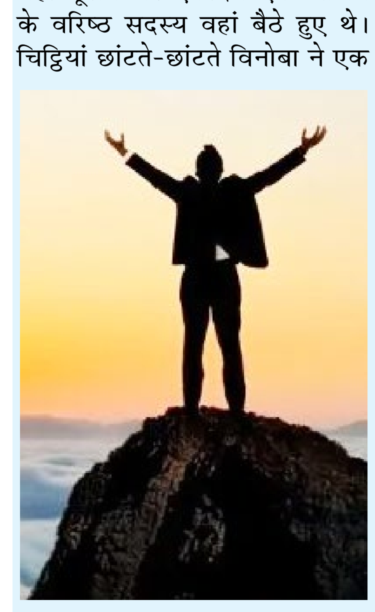

चिट्ठी पढ़ी और कूड़ेदान में डाल दी। उस व्यक्ति ने पूछा - 'आप तो हर पत्र को मन से पढ़ते हैं, इसे आपने थोड़ा पढ़कर कूड़ेदान में क्यों डाल दिया? यह किसका पत्र था जिसे आपने फाड़ डाला।' विनोबा जी ने कहा- 'महात्मा गांधी का पत्र था,' तो आपने बापू का पत्र क्यों फाड़ दिया? विनोबा ने कहा - 'ऐसे ही' उस सज्जन से रहा नहीं गया। उन्होंने उसे कूड़ेदानी से निकालकर जोड़ कर देखा कि क्या लिखा गया है। उसमें महात्मा गांधी जी ने विनोबा की भूरि-भूरि प्रशंसा की थी। उस सज्जन ने कहा- 'यह तो संग्रहणीय था- फाड़ना नहीं चाहिए था, यह तो धरोहर है।'

विनोबा ने सीधे शब्दों में कहा- 'वह पत्र ही क्या जिसमें खाली बड़ाई लिखी हो। यह तो चित्त को गंदा कर देगा, अहंकार उत्पन्न करने वाला है' और फिर मुस्कुराने लगे।

शख्सियत | अनुकुलचंद्र चक्रवर्ती

चिकित्सक, दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता

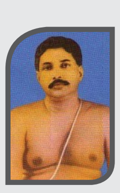

अनुकुलचंद्र चक्रवर्ती, जिन्हें श्रीश्री ठाकुर के नाम से जाना जाता है। वह एक चिकित्सक, दार्शनिक, आध्यात्मिक नेता और देवघर में सत्संग के संस्थापक थे। उनका व्यक्तित्व, जीवन और शिक्षाएं विज्ञान और आध्यात्मिकता, व्यक्तिगत प्रतिज्ञान और आत्म-परिवर्तन, व्यक्तिवाद और सामाजिक प्रतिबद्धता के बीच मध्यस्थता करती हैं, जिसने उन्हें भारतीय धार्मिक परंपरा के पैगंबरों या अवतारों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है।

अनुकूलचंद्र चक्रवर्ती का जन्म 14 सितम्बर 1888 को ब्रिटिश भारत के पूर्वी बंगाल के पबना जिले के हिमैतपुर गांव में हुआ था जो अब बांग्लादेश का हिस्सा है। उनके पिता शिवचंद्र चक्रवर्ती और माता मोनोमोहिनी देवी थीं। कलकत्ता में एक युवा मेडिकल छात्र के रूप में, अनुकूलचंद्र ने 1911 में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों की सेवा और इलाज करना शुरू किया। छह साल के अध्ययन के बाद, वह हिमैतपुर वापस आ गए और चिकित्सा का अभ्यास करना शुरू कर दिया। 1913 में, अनुकूलचंद्र को उनकी मां ने आध्यात्मिक रूप से दीक्षित किया। दीक्षा के बाद वे अपने मित्रों और साथियों के साथ गहन कीर्तन करने लगे। कीर्तन के दौरान, वह अक्सर अचेतन अवस्था में चले जाते थे, बेहोश होकर जमीन पर गिर जाते थे और उसी अवस्था में संदेश बोलते थे। कीर्तन के दौरान उनका समाधि में जाना, समाधि के दौरान पवित्र संदेश देना और उनके आस-पास के लोगों की भक्ति ने कई लोगों को आकर्षित करना शुरू कर दिया।

जैसे-जैसे बहुत से लोग उनके गांव में उनसे मिलने आने लगे और स्थायी रूप से बसने लगे, धीरे-धीरे उनके गांव के घर को एक आश्रम में बदल दिया गया। एक डॉक्टर के रूप में अनुकुलचंद्र चक्रवर्ती की लोगों की सेवा, उनके अचेतन अवस्था में अन्य भाषा में बोलने के साथ-साथ अपने अनुयायियों को उनकी सलाह और मार्गदर्शन ने उन्हें एक धार्मिक नेता के रूप में स्थान सुरक्षित करने में मदद की। वह बिहार के देवघर में ₹सत्संग₹ के संस्थापक हैं। उनका निधन 27 जनवरी 1969 में देवघर में हुआ था।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

ब्रह्म मुहूर्त में करें इन देवताओं की आराधना

प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर राम परिवार कृष्णपरिवार लक्ष्मी नारायण शिव परिवार आदि देवी देवताओं की आराधना करना चाहिए। अपनी कुलदेवी देवता की नित्य सेवा करो। नवग्रहों की आराधना अवश्य करो। ये आपके लिए वरदान रूप होते है। आपके अनुकूल ग्रह के मंत्र का नित्य जप और प्रतिकूल ग्रह के विधिपूर्वक उपाय करने से आप रंक से राजा बन सकते है। नित्य कम से कम एक बार संध्यावंदन अवश्य करो। ये हमारे धर्म का अंग है यदि इतना भी नियम से कर लेते है और 1 माला भी इसके साथ कर लेते है तो जीवन की कई मुसीबत दूर हो जाती है।

अगर कोइ विपत्ति

महा रोग अचानक कोई संकट आजाय कोई शत्रु परेशान करने लगे या नकारात्मक विचार आने लगे बुद्धि खराब होने लगे तो नियम पूर्वक बगलामुखी तारा महाशक्ति की कुछ दिनो तक 11/21/41आराधना करने से आनंद होगा

एक ही इष्ट को पसंद कर लो। जितना विचार करना है कर लो। जितना सोचना है सोच लो मगर एक इष्ट बनाकर फिर पूर्ण समर्पित होकर उनकी सेवा भजन प्रार्थना और उपासना करो। वही आपके जीवन को बदलेंगे।

कर्म के नियम को याद रखे। आपके कर्म आपको ही भोगने है। कोई भी व्यक्ति साधक या देवता आपके कर्म से आपको मुक्त नही कर सकता है। प्रकृति कर्म के नियम को नही बदलती है। किसी देवता की कृपा से कुछ समय परिवर्तन हो सकता है मगर भोगना तो निश्चित है।

नित्य अपने घर में वेदोक्त मंत्र का जप करो। हमारे वेदों में दिए हुए पवित्र मंत्र का कम से कम 15 मिनिट भी आप जप करते है तो जीवन की कई समस्या समाप्त हो जाती है। वेदों में वर्णित सूक्त सुर देवी देवताओं के मंत्र के जप करो। ये कल्याण करेगा। पुण्य करो। याद रखना जितना आप पुण्य करते है या लोगो का भला करते है उतना ही आपके कर्म उज्ज्वल होते है और वही कर्म आपके जीवन को बदलते है। आपके जीवन में आने वाली मुसीबतों को दूर करते है। साथ ही साथ निःस्वर्थ होकर लोगो का भला करो।

धर्म ग्रंथो का अध्ययन नित्य करो। पुराण और हमारे धर्म ग्रंथ ज्ञान का सागर है। महाभारत,रामायण और श्रीमद भगवद्गीता आदि ग्रंथ दिव्य है। उपनिषद का अभ्यास करने से जीवन बदल जायेगा। ये सब आपके लिए ही कहे गए है। अभी नही करोगे तो कब करोगे जी सत्य,प्रेम,करुणा आदि आध्यात्मिक गुणों को जीवन में विकसित करो। सद्गुणी व्यक्ति बनो। यदि आपके अंदर सद्गुण होंगे तो आपका जीवन अपने आप सुधार जायेगा। जीवन को बदलने के लिए मेहनत करे। मंत्रोंका सहारा अवश्य ले।

ईश्वर से प्रार्थना

याद रखना इसके साथ में यदि आप सख्त मेहनत करते है तो आपके जीवन को बदलने से कोई नहीं रोक सकता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।

मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com** **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

नींद का सुपरहीरो है 'कोआला'

– नीलम रामअवध

'क्या आप जानते हैं कि कोआला, जानवरों की दुनिया में सबसे ज्यादा नींद लेने वाले जानवरों में से एक हैं? ऑस्ट्रेलिया के ये प्यारे, रोएंदार जानवर दिन में 22 घंटे तक सो सकते हैं! यह नाश्ते, दोपहर के भोजन और लगभग रात के खाने के दौरान सोने जैसा है! लेकिन वे सिर्फ़ आलसी नहीं हैं; कोआला चतुर भी हैं। वे यूकेलिप्टस के पत्ते खाते हैं, जो दुनिया के सबसे सख्त सलाद की तरह हैं, और वे ज्यादा ऊर्जा नहीं देते हैं। इसलिए, कोआला बहुत ज़्यादा सोकर अपनी सारी ताकत बचाते हैं। कल्पना करें कि सिर्फ़ कुछ पत्ते खाने के बाद आपको पूरे दिन के लिए झपकी की जरूरत पड़े! अजीब लगता है, है न? लेकिन कोआला के लिए, यह स्वस्थ और खुश रहने का सबसे बढ़िया तरीका है। इन प्यारे, बहुत ज्यादा नींद लेने वाले जीवों के बारे में और जानने के लिए तैयार हो जाइए!

कोआला क्या खाते हैं

कोआला का आहार बहुत खास होता है। वे ज्यादातर यूकेलिप्टस के पत्ते खाते हैं, जो यूकेलिप्टस के पेड़ों से आते हैं। ये पत्ते हमारे खाने के जैसे नहीं होते। ये सख्त होते हैं, पचाने में मुश्किल होते हैं और इनमें ज्यादा ऊर्जा नहीं होती। साथ ही, इनमें कुछ विषैले पदार्थ (ज़हर) होते हैं जो कई जानवरों के लिए हानिकारक हो सकते हैं। कोआला का पेट खास होता है जो उन्हें इन पत्तों को सुरक्षित तरीके से पचाने में मदद करता है, लेकिन फिर भी उन्हें पचाने में बहुत ज्यादा ऊर्जा लगती है। पत्तों को पचाने के बाद भी उन्हें उनसे ज़्यादा ऊर्जा नहीं मिलती। यही कारण है कि कोआला को ज़्यादा से ज़्यादा ऊर्जा बचाने की जरूरत होती है।

कोआला इतना ज्यादा क्यों सोते हैं?

चूंकि यूकेलिप्टस के पत्ते कोआला को ज्यादा ऊर्जा नहीं देते, इसलिए उन्हें अपनी ऊर्जा बचाने के दूसरे तरीके खोजने पड़ते हैं। ऐसा करने का एक तरीका है ज्यादा सोना। सोने से उनके शरीर को आराम मिलता है और इससे ज्यादा ऊर्जा खर्च नहीं होती। इसलिए, सक्रिय रहने और ऊर्जा खर्च करने के बजाय, वे अपना ज्यादातर दिन सोने में बिताते हैं।

उनका शरीर उनकी किस तरह मदद करता है

कोआला का शरीर इस नींद भरी जीवनशैली को जीने के लिए बना है। उनका पाचन तंत्र धीरे-धीरे यूकेलिप्टस के पत्तों को तोड़कर उन्हें जरूरी पोषक तत्व दे सकता है। कोआला की चयापचय दर भी कम होती है। इसका मतलब है कि उनका शरीर जल्दी ऊर्जा नहीं जलाता, जिससे उन्हें पत्तियों से मिलने वाली थोड़ी ऊर्जा बचाने में मदद मिलती है।

इन खास विशेषताओं की वजह से, कोआला दिन में 18 से 22 घंटे बिना ज्यादा भोजन की जरुरत के सो सकते हैं।

सोते समय सुरक्षित रहना

भले ही कोआला बहुत ज्यादा सोते हों, फिर भी उन्हें बड़े पक्षियों या साँपों जैसे शिकारियों से सुरक्षित रहने की ज़रूरत होती है। कोआला आमतौर पर यूकेलिप्टस के पेड़ों पर ऊँचे स्थान पर सोते हैं, जो उन्हें खतरे से दूर रहने में मदद करता है। उनके तीखे पंजे उन्हें पेड़ की शाखाओं से कसकर चिपके रहने की अनुमति देते हैं। पेड़ों पर सोने से, वे ज्यादातर शिकारियों से छिपे रहते हैं और ज़्यादा चिंता किए बिना आराम कर सकते हैं।

कोआला कब चलते हैं?

कोआला ज्यादातर रात में सक्रिय होते हैं। वे अपनी लंबी झपकी के बाद उठते हैं और खाने के लिए और अधिक नीलगिरी के पत्ते खोजने के लिए धीरे-धीरे घूमते हैं। उन्हें दूर जाने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि उनके चारों ओर नीलगिरी के पेड़ हैं। चूँकि वे धीमी गति से चलते हैं, इसलिए वे भोजन के लिए आस-पास के पेड़ों पर छोटी यात्रा करके ऊर्जा बचाते हैं।

छोटे जादूगर का बड़ा जादू

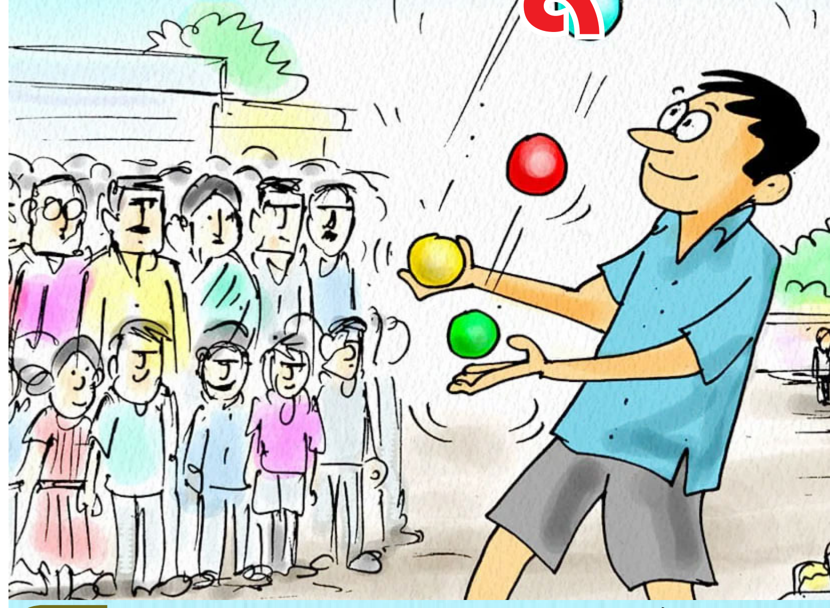

दूर एक जगह पर, विज़ल नाम का एक छोटा जादूगर रहता था। विज़ल पूरे राज्य में सबसे छोटा जादूगर था, और उसके आकार की वजह से, दूसरे जादूगर अक्सर उसका मज़ाक उड़ाते थे। उन्हें यकीन नहीं होता था कि कोई इतना छोटा जादूगर इतना बड़ा जादू कर सकता है। लेकिन विज़ल का दिल बड़ा था और उसमें बहुत दृढ़ निश्चय था। वह अपने दिन मंत्रों का अभ्यास करने और जादुई प्राणियों के बारे में सीखने में बिताता था। वह सभी को यह साबित करने का सपना देखता था कि वह दूसरे जादूगरों की तरह ही शक्तिशाली हो सकता है।

एक दिन, राज्य में एक भयानक समस्या आ गई। सूरज नहीं उग रहा था! आसमान में अंधेरा छा गया और लोग चिंतित हो गए। पौधे मुरझाने लगे और जानवर भ्रमित हो गए। राजा ने समस्या को हल करने के लिए सभी जादूगरों को बुलाया, लेकिन कोई भी यह नहीं समझ पाया कि सूरज को वापस कैसे लाया जाए।

विज़ल को पता था कि यह उसका मौका है। उसने अपनी मंत्र पुस्तकों में खोजबीन की और एक भूला हुआ मंत्र पाया—एक ऐसा मंत्र जो इतना शक्तिशाली था कि केवल शुद्ध हृदय वाला जादूगर ही इसे कर सकता था। इसे ₹द बिग स्पेल₹ कहा जाता था।

दृढ़ निश्चयी, विज़ल ने हिम्मत जुटाई और राजा के पास गया। उसे देखकर दूसरे जादूगर हंस पड़े। ₹तुम ऐसा क्या कर सकते हो जो हम नहीं कर सकते?₹ उन्होंने मज़ाक उड़ाया।

लेकिन विज़ल ने उनकी बात अनसुनी कर दी। वह अंधेरे साम्राज्य के बीच में खड़ा हो गया, अपनी छोटी सी छड़ी उठाई और द बिग स्पेल के शब्दों को फुसफुसाया। पहले तो कुछ नहीं हुआ। फिर, धीरे-धीरे, आसमान चमकने लगा। अंधेरा छँट गया और सूरज की सुनहरी किरणें एक बार फिर चमकने लगीं।

लोगों ने जयकारे लगाए और राजा ने विज़ल को उसकी बहादुरी के लिए धन्यवाद दिया। दूसरे जादूगर हैरान और शर्मिंदा थे कि उन्होंने उसके साथ कैसा व्यवहार किया। उन्हें एहसास हुआ कि जादूगर का आकार मायने नहीं रखता, बल्कि उसके दिल का आकार मायने रखता है।

उस दिन से, विज़ल को साम्राज्य का सबसे बड़ा जादूगर माना जाने लगा। और वह जहाँ भी जाता, वहाँ रोशनी और खुशी फैलाने के लिए अपने जादू का इस्तेमाल करता रहता।

कविता

सूरज आया

सूरज आया, सूरज आया,
दिन का राजा, उजाला लाया।
रात को देता बिदाई,
सारी दुनिया जगमगाई।

चिड़िया बोली, चीं-चीं-चीं,
आओ मिलकर गाएँ हम गीत।
पेड़-पौधे मुस्काते हैं,
सभी खुशी से झूम जाते हैं।

फूलों पर आई तितली रानी,
रंग-बिरंगी, प्यारी-प्यारी।
फूलों संग वो नाच रही है,
हम बच्चों का दिल बहला रही है।

नदी का पानी बहता जाए,
मीठा-मीठा गीत सुनाए।
हरियाली में छुपी है धूप,
सपनों जैसा लगता रूप।

धरती माँ का प्यार है सच्चा,
सूरज, तितली, और चिड़िया रचती।
बच्चों तुम भी हँसते रहो,
हर पल में खुशियाँ बुनते रहो।

समझदार कबूतर और जाल

पंचतंत्र की कहानी

एक बार की बात है, घने जंगल में कबूतरों का एक समूह रहता था। कबूतरों का नेता बुद्धिमान और अनुभवी था। एक दिन, भोजन की तलाश में उड़ते समय, उन्होंने एक बड़े पेड़ के नीचे जमीन पर फैले अनाज को देखा। यह नजारा देखकर, कबूतरों ने उतरने और दावत का आनंद लेने का फैसला किया।

हालांकि, बुद्धिमान नेता को खतरा महसूस हुआ। उसने कबूतरों को चेतावनी दी, ₹यह एक जाल हो सकता है। सावधान रहो।₹ लेकिन भूखे और उत्साहित कबूतरों ने उसकी चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया और अनाज को चोंच मारना शुरू कर दिया।

जैसे ही उन्होंने खाना खत्म किया, एक बड़ा जाल उनके ऊपर गिर गया। कबूतर फंस गए थे! नेता ने आह भरी, ₹मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी, लेकिन अब हमें भागने का कोई रास्ता सोचना चाहिए।₹ कबूतर घबरा गए, अपने पंख फड़फड़ाने लगे, लेकिन जाल मजबूत था।

तब नेता को एक विचार आया। उसने कबूतरों से कहा, ₹हम खुद को मुक्त करने का एकमात्र तरीका एक साथ काम करना है। चलो हम सभी अपनी पूरी ताकत के साथ एक ही दिशा में उड़ते हैं।₹ कबूतरों ने अपने नेता पर भरोसा करते हुए सहमति जताई।

उन्होंने एक साथ अपने पंख फड़फड़ाए और धीरे-धीरे जाल को जमीन से ऊपर उठा लिया। साथ में, वे जाल को उठाकर जंगल से ऊपर उड़ गए।

फिर नेता ने उन्हें पास की एक पहाड़ी की ओर निर्देशित किया, जहाँ एक चूहा रहता था जो उसका अच्छा दोस्त था। पहाड़ी पर पहुंच कर, कबूतरों ने चूहे को मदद के लिए पुकारा। चूहा जल्दी से बाहर आया और अपने दोस्तों को मुसीबत में देखकर मदद करने के लिए तैयार हो गया।

वह अपने तीखे दांतों से जाल को कुतरने लगा। एक-एक करके, उसने धागे को काट दिया, जिससे कबूतर आज़ाद हो गए। जल्द ही, सभी कबूतर जाल से बाहर निकल आए और सुरक्षित हो गए।

कबूतरों ने चूहे को उसकी मदद के लिए और नेता को उसकी समझदारी के लिए धन्यवाद दिया। वे उड़ गए, भविष्य में हमेशा अपने नेता की बात मानने की कसम खाते हुए।

कहानी की सीखः एकता ही ताकत है। जब हम साथ मिलकर काम करते हैं, तो हम बड़ी से बड़ी चुनौतियों को भी पार कर सकते हैं। यह हमें उन लोगों की सलाह पर ध्यान देना भी सिखाती है जिनके पास अधिक अनुभव है।

पंचतंत्र की यह कहानी टीमवर्क, विश्वास और बुद्धिमान सलाह सुनने के महत्व पर जोर देती है।

मजेदार चुटकुले

टीचर (चिंटू से)- होमवर्क क्यों नहीं किया?
चिंटू- मैम, मैंने जब पढ़ा तो लाइट चली गई।
टीचर- तो लाइट आने के बाद पढ़ाई क्यों नहीं की?
चिंटू- बाद में मैंने इस डर से पढ़ा नहीं कि कहीं मेरी वजह से फिर से लाइट न चला जाए।

टीचर (चिंटू से)- होमवर्क क्यों नहीं किया?
चिंटू- मैम, मैंने जब पढ़ा तो लाइट चली गई।
टीचर- तो लाइट आने के बाद पढ़ाई क्यों नहीं की?
चिंटू- बाद में मैंने इस डर से पढ़ा नहीं कि कहीं मेरी वजह से फिर से लाइट न चला जाए।

संता- भीगा सा लगता है आलम मुझे,
भीगी सी लगती है सुबह मुझे,
भीगा लग रहा है सारा जहां मुझे!!
बंता- उठ साले, बिस्तर पर सु-सु कर दिया है तूने।

कंजूस बाप (बेटे से)- मेरी ख्वाहिश है कि तू बड़ा होकर वकील बने।
बेटा- क्यों?
कंजूस बाप- ताकि मेरा काला कोट तुम्हारे काम आ जाए।

चिंटू से एक आदमी ने पूछा- बेटा, तुम्हारे पापा का क्या नाम है?
चिंटू- अंकल, अभी उनका नाम नहीं रखा है, बस प्यार से पापा ही हैं।

मिंटू- चिंटू, भाई आज अपनी साइकिल आज मुझे दे दे।
चिंटू- नहीं, दे सकता।
मिंटू- तुम मुझे साइकिल नहीं दोगे तो मेरा दिल खट्टा हो जाएगा।
चिंटू- तो चीनी डाल के खा लेना।

संता और बंता बता करते हुए
संता- यार कल रात घर देर से पहुंचा, बेल बजाई पर बीवी ने दरवाजा खोला ही नही!
पूरी रात सड़क पर गुजारी
बंता- फिर सुबह बीवी की खबर ली की नहीं?
संता....नही यार, सबेरे दारू उतरी तो याद आया, अभी तो मेरी शादी ही नही हुई है,
और चाबी तो जेब मे थी!

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष – नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा।

वृष – राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बिगड़े काम बनेंगे। जल्दबाजी से हानि संभव है।

मिथुन – किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें।

कर्क – राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह – आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

कन्या – यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे।

तुला – व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है।

वृश्चिक – थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

धनु – शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है।

मकर – व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी।

कुंभ – नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी।

मीन – रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे।

कुंडली में संतान योग के बारे में जानें

लड़का हो या लड़की आज के युग मे एक बराबर है फिर भी हर इंसान यह चाहता है कि मेरे एक पुत्र भी हो जो घर चलाने में और अन्य तरह से जीवन के हर पड़ाव में मेरी सहायता करें तो इसी बारे में बात करते हैं क्या लड़का भी हो पायेगा, क्या लड़के सन्तान के योग है कुंडली में या नहीं और लड़का हो पायेगा या होगा तो कब तक आदि।

कुंडली का 5वा भाव संतान का है तो 5वे भाव स्वामी और गुरु संतान सुख के ग्रह है अब लड़के की प्राप्ति के लिए पुरूष राशियां जो कि 1,3,5,7,9,11 और पुरुष ग्रहों सुर्य, मंगल, गुरुं पुरुष ग्रह है तो शनि राहु केतु स्थिति के अनुसार पुत्र या पुत्री संतान देते है। अब कुंडली के 5वे भाव मे पुरुष राशि 1,3,5,7,9 या 11 है और इन राशियों के स्वामी कुंडली मे पुरुष राशियों में बैठे है और अगर 5वे भाव स्वामी किसी ग्रह के साथ बैठा है तो वह पुरुष ग्रहों सूर्य, गुरु, मंगल के साथ बैठा हो तब लड़का हो जाएगा, इसके अलावा अगर कोई पुरुष ग्रह जैसे की सूर्य, मंगल या गुरु बलवान होकर 5वे भाव मे बैठे है तब लड़का निश्चित ही हो जाएगा ऐसी स्थिति में लड़का संतान संबंधी ग्रहों के उपाय करने से जल्दी पुत्र संतान की प्राप्ति हो जाएगी।

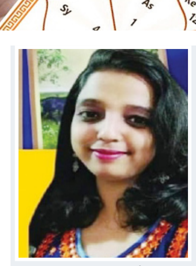

प्रियंका जैन
9769994439

अब कुछ उदाहरणों से समझते है लड़के की इच्छा है तो लड़का हो पायेगा या नही और हो पायेगा तो कब है लड़के संतान होने का समय।

उदाहरण_अनुसार_मिथुन_लग्न1:- मिथुन लग्न के 5वे भाव मे तुला राशि(पुरुष राशि) स्वामी शुक्र है अब शुक्र यहां अगर किसी भी ग्रह के साथ सम्बन्ध बनाकर बैठा है तब वह पुरूष ग्रहो सूर्य या मंगल या गुरु के साथ सम्बंध में कुंडली मे है तब यहां लड़का हो जाएगा, बाकी अगर 5वे भाव में भी मंगल या गुरु सूर्य बलवान होकर बैठे है तब भी लड़का निश्चित ही हो जाएगा,अब जब 5वे भाव या 5वे भाव स्वामी की या इनसे संबंध बना रहे ग्रहों की दशाएं आएगी तब लड़का होगा। उदाहरण_अनुसार_कन्या_लग्न2:- कन्या लग्न में 5वे भाव स्वामी शनि बलवान होकर कुंडली मे बैठे हो पुरुष राशि 1,3,5,7,9 या 11राशि मे और साथ मे शनि के किसी ग्रह का सबन्ध है तब वह पुरूष ग्रह हो और 5वे भाव पर भी किसी न किसी पुरूष ग्रह का प्रभाव है तब पुत्र संतान(लड़का) हो जाएगा, अब जब 5वे भाव सम्बन्धी ग्रहो की दशाओ का समय शुरू होगा तब ही यहां पुत्र संतान प्राप्ति के रास्ते बनेंगे।

उदाहरण_अनुसार_वृश्चिक_लग्न3:- वृश्चिक लग्न 5वे भाव मे स्त्री राशि मीन(12) होती है अब 5वे भाव स्वामी गुरु मजबूत होकर लड़के संतान के कारक सूर्य या मंगल या बुध शनि से किसी पुरुष राशि(1,3,5,7,9,11)राशियों मे गुरु सम्बन्ध बनाकर बैठा है तब लड़का हो जाएगा।

लड़के प्राप्ति होने के अगर अब योग है कुंडली मे तब यहां पुत्र सन्तान प्राप्ति के उपाय,पुत्र संतान ग्रहों को मजबूत करने के उपायों से पुत्र संतान प्राप्ति के योग मजबूत करके एक अच्छे पुत्र की प्राप्ति जल्दी की जा सकती है।

खबर संक्षेप

एसपी के आदेश पर सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में स्थापित बुढ़िया माई मंदिर से 15 कुंतल घंटा चोरी करने के आरोप में सात लोगों के खिलाफ गुरुवार की शाम मुकदमा दर्ज किया गया हैं। यह कार्रवाई पुलिस ने एसपी के आदेश पर की। सरपतहां थाना क्षेत्र के असरफपुर बरौत गांव में बुढ़िया माई मंदिर हैं। यहां के पुजारी ओम प्रकाश तिवारी ने 28 अगस्त को प्रभारी निरीक्षक शाहगंज को प्रार्थना पत्र दिया था कि सलेमपुर गांव निवासी पूर्व प्रधान साहबलाल गुप्ता, त्रिपुरारी, रामचरन बिंद, बरखू बिंद, सर्वजीत और शाहगंज कोतवाली क्षेत्र असरफपुर निवासी अर्जुन नोना आदि लोगो ने पिकअप से 15 कुंतल घंटा उठा ले गए और बेच दिए। कोतवाली पुलिस के अनुसार, इस मामले में पुजारी की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ शाहगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है।

अटल पथ-जेपी गंगापथ का मीटिंग प्वाईंट बनेगा नो-वेंडिंग जोन

पटना। अटल पथ-जेपी गंगापथ का मीटिंग प्वाईंट के चारों तरफ 100 मीटर के दायरे में नो-वेंडिंग जोन रहेगा। इसमें किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही 100 मीटर के बाद से जेपी गंगापथ के उत्तरी छोर पर एलसीटी घाट तक लगभग 1।5 किलोमीटर की दूरी में वेंडिंग जोन रहेगा। वेंडिंग जोन के दोनों तरफ पार्किंग की भी व्यवस्था रहेगी। इस वेंडिंग जोन की पार्किंग से एलसीटी घाट तक ग्रीन बेल्ट तथा पाथवे का निर्माण किया जाएगा। यह भी नो-वेंडिंग जोन रहेगा। इस क्षेत्र में सैर करने वाले लोगों के लिए उत्कृष्ट व्यवस्था रहेगी। बेंच के साथ-साथ अन्य आवश्यक प्रबंध रहेगा। पटना के डीएम डॉ। चन्द्रशेखर सिंह, पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा और पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड प्रबंध निदेशक सह-नगर आयुक्त और पटना नगर निगम अनिमेष कुमार पराशर संयुक्त रूप से जेपी गंगापथ का निरीक्षण किया करने के बाद यह निर्देश दिया। पटना डीएम ने कहा कि अपर ज़िला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था इसका अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

बंजर भूमि पर लगाया सवा चार करोड़ का सौर ऊर्जा प्लांट

नागौर। पीएम कुसुम योजना के तहत कस्बे के एक किसान ने अपने बंजर भूमि खेत में पर सौर उर्जा का बड़ा प्लांट लगाया है। इस पर सवा चार करोड़ की लागत आई है। डिस्कॉम के नागौर डिविजन के अधिकारियों ने प्लाटं का विधिवत शुभारंभ किया। अधिशासी अभियंता रामजीवन जाखड़ ने बताया कि किसान मनोहर सिंह के खेत पर यह प्लांट लगाया गया है।

मुंगेर में बढ़ रहा क्राइम

हर महीने हो रहीं पांच हत्याएं

एजेंसी । मुंगेर

मुंगेर रेंज के जिलों में क्राइम पूरी तरह से आउट ऑफ कंट्रोल हो चुका है। इसे रोकने में पुलिस टीम पूरी तरह से विफल है। हालात यह है कि यहां पानी की तरह अपराधी खून बहा रहे हैं। हर महीने अपराधी पांच लोगों की हत्या कर रहे हैं। जबकि गोलीबारी की घटना तो आम बात हो गयी है। बेखौफ अपराधियों के कारनामों से मुंगेर रेंज के चारों जिलों में अवाम पूरी तरह से दहशत में हैं।

जुलाई तक चारों जिलों में हो चुकी हैं 117 लोगों की हत्याएं

मुंगेर रेंज में अपराधी पूरी तरह से बेखौफ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। जबकि अपराधी हत्या करने से भी गुरेज नही कर रहे हैं। जहां मन किया, वहीं गोली सीने और सिर में ठोक दे रहे हैं।आंकड़ों पर गौर करें तो मुंगेर रेंज के चार जिले मुंगेर, जमुई, लखीसराय और शेखपुरा में 7 माह में 117 लोगों को अपराधियों ने मौत के घाट उतार दिया है। लेकिन पुलिस इसमें मात्र 83 हत्याओं की घटनाओं का ही उद्भेदन आज तक कर पायीहै। जबकि 139 अपराधियों को गिरफ्तार किया है।आंकड़े बता रहे हैं कि मुंगेर रेंज में किस कदर अपराधियों ने अपना साम्राज्य को स्थापित कर लिया है।

मुंगेर जिला टॉप पर, 40 से अधिक लोगों की हो चुकी है हत्या

मुंगेर रेंज में मुंगेर जिला टॉप पर है। जनवरी से जुलाई माह के अंत तक के आंकड़े बता रहे हैं कि जिले में 34 लोगों को अपराधी मार चुके हैं। जबकि अगस्त 2024 में भी बेखौफ अपराधियों ने आधे दर्जन से अधिक लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। सितंबर में अबतक चार से पांच लोगों की हत्या अपराधी कर चुके हैं। तारापुर में जहां भाजपा नेता बंटी सिंह की गोली मार अपराधियों ने हत्या कर दी थी। वहीं बेगूसराय के वाहन चालक की मुंगेर में गोली मार अपराधियों ने हत्या कर दी थी। इसके अलावा भी कई हत्याकांडों को अपराधियों ने अंजाम दिया है।

डीआइजी का बयान

"संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों को अपराध पर नियंत्रण बनाये रखने का निर्देश दिया गया है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय से सजा दिलाने का भी आदेश दिया है, ताकि कोई भी अपराधी सिर नहीं उठा सके।

-संजय कुमार, डीआइजी, मुंगेर रेंज

बुज़ुर्ग को टोकरी में बैठाकर नदी-नाला पार करते पहुंचे डॉक्टर के पास

एजेंसी । महुआडांड़

झारखंड में विकास के तमाम दावों के बीच सरकारी व्यवस्था की पोल समय-समय पर खुल ही जाती है। लातेहार जिले का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिख रहा है कि एक बुज़ुर्ग व्यक्ति को इलाज कराने के लिए किन मुश्किलों का सामना करके लोग डॉक्टर के पास ले जा रहे हैं। वीडियो लातेहार जिले का है। महुआडांड़ प्रखंड के हामी पंचायत का भीतरकोन गांव प्रखंड मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर है। गांव की आबादी करीब 400 है।

आदिवासी बहुल गांव में न चलने लायक सड़क है, न पीने के पानी की व्यवस्था। मूलभूत सुविधाओं का भी घोर अभाव है।

बीमार लोगों को ऐसे नदी पार करवाते हैं लोग।

ऐसे में अगर कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाए, तो डॉक्टर के पास लेकर जाना मुश्किल हो जाता है। खासकर बारिश के मौसम में। भीतरकोना गांव के 70 साल के प्रभुदास लकड़ा बीमार पड़ गए। शुक्रवार को उनको अस्पताल ले जाने की नौबत आ गई।

पहले हर साल 1500 बच्चों की मौत, अब शून्य

योगी सरकार ने पाया इंसेफेलाइटिस पर काबू

एजेंसी । लखनऊ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से ग्रस्त था। वहां 15 जुलाई से 15 नवंबर के बीच पांच महीने में 1200 से 1500 बच्चों की मौतें हर साल होती थीं। अकेले गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 500 से 700 मौतें हुईं थीं। यह क्रम पिछले 40 वर्ष से चल रहा था। इस दौरान 50 हजार बच्चों की मौतें हुईं लेकिन पिछली सरकारों का इससे कोई लेना-देना नहीं था। जब इसे रोकने के लिए सुविधा देनी होती थी तो वह भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते थे। अब पूरे इलाके को दिमागी बुखार से मुक्त कर दिया गया है। कोई बच्चा अब इससे नहीं मरता है।

सीएम योगी ने बताई वजह

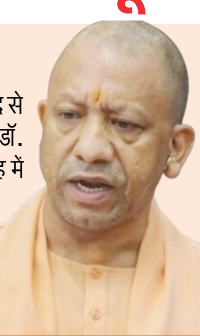

सीएम योगी ने कहा किया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, आपसी समन्वय और संवाद से महज दो वर्ष में 'इंसेफेलाइटिस' यानि दिमागी बुखार पर काबू पाया गया है। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी ने वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन और नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कई प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर जेआर को मेडल-सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। सीएम योगी ने कहा कि मैंने सांसद रहते हुए सड़क से लेकर सदन तक इंसेफेलाइटिस को लेकर मुद्दा उठाया, जिसके बाद काम शुरू हुआ।" योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को श्रेय देते हुए कहा, "मोदी ने इंफेसेलाइटिस पर लगाम लगाने के लिए गोरखपुर को एम्स दिया। वहीं 2017 में मुख्यमंत्री बनने पर इसे खत्म करने की जिम्मेदारी मेरी हो गयी। इस पर काम शुरू किया गया और वर्ष 2019 में इस पर नियंत्रण पा लिया गया।

आज पूर्वी उत्तर प्रदेश खुशहाल

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'इंसेफेलाइटिस' को लेकर इस बार भी दो बार सर्वे कराया गया, जिसमें सामने आया कि एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश खुशहाल है। यह सब बेहतर समन्वय और संवाद से हो पाया।

दरोगा परीक्षा की तैयारी कर रहा युवक रेलवे स्टेशन के पास पाया गया मृत

एजेंसी । गोरखपुर

गोरखपुर नरकटियागंज रेल खंड के खैरपोखरा स्टेशन की पटरी पर शुक्रवार की सुबह युवक का शव देख लोगों के बीच अफरा तफरी मच गई ।सूचना पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुँच कर शव को अपनी अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमण्डलीय अस्पताल भेज दिया । जीआरपी पुलिस ने पूछताछ के दौरान शव की पहचान करते हुए उसके परिजन घटना की सूचना दी । जीआरपी पुलिस ने बताया कि मृत युवक नगर थाना के बनचहरी गांव निवासी शंभू सहनी के 27 वर्षीय पुत्र अनिल कुमार के रूप में हुई है।

पिता ने क्या कारण बताया ?

परिजनों की मानें तो अनिल पटना में रहकर दरोगा परीक्षा की तैयारी कर रहा था । वहीं, मृतक के पिता ने बताया कि उनका पुत्र पटना में था वह किस ट्रेन से किसके बुलाने पर आया कुछ पता नहीं हैं । उन्होंने बताया कि उनके पड़ोसियों से कुछ दिनों से भूमि विवाद का मामला चल रहा था, उन्हीं लोगों ने बुलाकर हत्या करके उनके बेटे की लाश को रेल पटरी पर फेंक दिया। जीआरपी के संजय कुमार राम ने बताया कि शुक्रवार की सुबह सुचना पर जीआरपी पुलिस घटना स्थल पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मृत युवक का सिर फटा था, होंठ कटा था, आगे शरीर पर चोट लगा पाया गया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम कराया जा रहा हैं। इसके बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा ।

सिगरेट न देने पर बदमाशों ने गले में मारी गोली

एजेंसी । चौबेपुर

चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिरनाथीपुर गांव में बीती रात सिगरेट न देने पर 55 वर्षीय दुकानदार शारदा यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शारदा यादव की हत्या चौबेपुर क्षेत्र के बिरनाथीपुर में गुरुवार की रात लगभग 1:30 बजे दो अपाचे बाइक सवार बदमाशों ने सो रहे शारदा यादव को जगाया और सिगरेट की मांग की। शारदा यादव ने कहा कि दुकान बंद हो चुकी है और चाबी घर के अंदर है, जिसके चलते वह सिगरेट नहीं दे सकता। इस पर बदमाशों ने यादव के साथ गाली-गलौज की और मारपीट के बाद उनकी गर्दन पर गोली मार दी।

हेमंत सोरेन ने दी मंईयां सम्मान योजना की सौगात

एजेंसी । ललपनिया

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने करम पर्व की पूर्व संध्या पर राज्य की महिलाओं के खाते में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि हस्तांतरित की। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड के लुगु बुरु घंटाबाड़ी धोरोमगाढ़ की भूमि से लाखों महिलाओं को खुशियों का उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने बोकारो एवं रामगढ़ जिले के लिए करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। लोगों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया।

ललपनिया फुटबॉल मैदान से हेमंत सोरेन ने बांटी सौगातें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बोकारो के गोमिया प्रखंड के ललपनिया फुटबॉल मैदान में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम से 45 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक अकाउंट में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY) की दूसरी किस्त की राशि ट्रांसफर की। इस अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनकी सरकार बनी, तो राज्य में कोरोना जैसी महामारी आ गई। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौर में हमारे पड़ोसी राज्यों में अनगिनत लोगों की मौत हो गई। स्थिति ऐसी बनी कि लोगों के शव जलाने के लिए लकड़ियां खत्म हो गई। उन्हें जैसे-तैसे दफना दिया गया। हेमंत सोरेन ने कहा कि कहीं-कहीं ऐसा भी हुआ कि कोरोना काल में मरने वाले लोगों का अंतिम संस्कार तक नहीं किया गया। नदी में शवों को बहा दिया गया। हमारी सरकार मुस्तैदी से लगी थी। यहां के लोगों को पता भी नहीं चला कि कब कोरोना महामारी आई और कब चली गई।

सेंसेक्स 71 अंक की गिरावट के साथ 82,890 पर बंद

एजेंसी । मुंबई

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 13 सितंबर को सेंसेक्स 71 अंक की गिरावट के साथ 82,890 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 32 अंक की गिरावट रही, ये 25,356 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 32 में गिरावट और 18 में तेजी रही। FMCG, ऑयल एंड गैस और हेल्थकेयर शेयरों में बिकवाली रही, जबकि अन्य सभी सेक्टर्स के शेयर में तेजी रही।

- निफ्टी भी 32 अंक गिरा
- FMCG, ऑयल एंड गैस और हेल्थकेयर शेयर्स में रही बिकवाली

12 सितंबर को बाजार ने ऑल टाइम हाई बनाया था

इससे पहले 12 सितंबर को सेंसेक्स ने 83,116 और निफ्टी ने 25,433 का नया ऑल टाइम हाई बनाया था। हालांकि बाद में ये दोनों इंडेक्स थोड़ा नीचे आए और सेंसेक्स 1,439 अंक (1.77%) चढ़कर 82,962 और निफ्टी 470 (1.89%) अंक चढ़कर 25,388 के स्तर पर बंद हुआ था।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार रहा

ITC, रिलायंस, भारती एयरटेल और इंफोसिस ने बाजार को सबसे ज्यादा गिराया। जबकि, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और बजाज फिनसर्व ने बाजार को ऊपर खींचा। एशियाई बाजार में जापान का निक्केई 0.68% गिरा और कोरिया का कोस्पी 0.13% चढ़ा। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.75% की तेजी और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.48% की गिरावट रही।

भारत के जैविक उत्पाद को प्रोत्साहन देने के लिए लुलु ग्रुप के साथ समझौता

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के प्रमाणिक जैविक (ऑर्गेनिक) उत्पादों को मध्य पूर्व का अग्रणी खुदरा कारोबार समूह लुलु ग्रुप अंतरराष्ट्रीय (एलएलसी) प्रोत्साहन देने का काम करेगा। इसको लेकर कृषि और प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने लूलू ग्रुप के साथ समीझता किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन

काम करने वाले एपीडा की तरफ से जानकारी दी गई है कि समझौते के तहत लूलू समूह संयुक्त अरब अमीरात में अपने स्टोर पर भारतीय उत्पादों को रखेगा।

जैविक उत्पादकों के बीच समन्वय स्थापित करने का काम

बताया गया है कि एपीडा भारत में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) और सहकारी समितियों और लुलु समूह सहित जैविक उत्पादकों के बीच समन्वय स्थापित करने का काम करेगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भारतीय जैविक उत्पाद व्यापक स्तर पर वैश्विक बाजार तक पहुंचें। समझौते में कई अहम पहलू हैं,जिसमें राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के तहत प्रमाणित भारतीय जैविक उत्पादों के लिए समूह अपने हाइपर मार्केट में निश्चित जगह, उत्पाद नमूनाकरण, इंटरैक्टिव इवेंट और उपभोक्ता फीडबैक ड्राइव चलाने का काम करेगा। इसके साथ ही, क्रेता-विक्रेता बैठक (बीएसएम) जैसे प्रचार अभियान चलाए जाएंगे।

यूपीआई से पांच लाख तक का कर सकेंगे भुगतान

एजेंसी । नई दिल्ली

अगर आप अपने ज्यादातर भुगतान के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई पर निर्भर हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है। यूपीआई चलाने वाली संस्था एनपीसीआई ने अब एक खास श्रेणी के लेन-देन के लिए भुगतान की सीमा पांच लाख रुपये तक बढ़ा दी है। यानी अब आप यूपीआई के जरिए पांच लाख रुपये तक का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। यह सुविधा 15 सितंबर से लागू हो जाएगी। एनपीसीआई ने अपने नए परिपत्र में बताया कि यूपीआई के पसंदीदा भुगतान पद्धति के रूप में उभरने के साथ विशिष्ट श्रेणियों के लिए यूपीआई में प्रति लेन-देन सीमा बढ़ाने की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। इसलिए एनपीसीआई ने अब सर्कुलर जारी कर बैंकों/ पीएसपी/ यूपीआई ऐप को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि भुगतान की कुछ श्रेणियों में लेन-देन सीमा बढ़ाई जाए।

इन श्रेणियों में कर सकेंगे भुगतान :

- **टैक्स का भुगतान, जो कि सत्यापित व्यापारियों पर लागू होगा।**
- **अस्पताल के बिल का भुगतान कर सकेंगे।**
- **शैक्षणिक संस्थानों में फीस जमा कर सकेंगे।**
- **आईपीओ और सरकारी प्रतिभूति में भुगतान कर सकेंगे।**

आरबीआई गवर्नर ने की थी घोषणा

गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आठ अगस्त 2024 को मौद्रिक नीति के नतीजों की घोषणा करते हुए कहा था कि टैक्स भुगतान के लिए यूपीआई की सीमा एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि यह बदलाव यूपीआई के जरिए भुगतान प्रक्रिया को और भी आसान बना देगा।

जैविक उत्पाद प्रोत्साहन के लिए करार

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत के प्रमाणिक जैविक उत्पादों को मध्य पूर्व का अग्रणी खुदरा कारोबार समूह लुलु ग्रुप अंतरराष्ट्रीय प्रोत्साहन देने का काम करेगा। इसको लेकर कृषि और प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने लूलू ग्रुप के साथ समीझता किया है। वाणिज्य एवं

उद्योग मंत्रालय के अधीन काम करने वाले एपीडा की तरफ से जानकारी दी गई है कि समझौते के तहत लूलू समूह संयुक्त अरब अमीरात में अपने स्टोर पर भारतीय उत्पादों को रखेगा। बताया गया है कि एपीडा भारत में किसान उत्पादक संगठनों, किसान उत्पादक कंपनियों और सहकारी समितियों और लुलु समूह सहित जैविक उत्पादकों के बीच समन्वय स्थापित करने का काम करेगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भारतीय जैविक उत्पाद व्यापक स्तर पर वैश्विक बाजार तक पहुंचें। समझौते में कई अहम पहलू हैं,जिसमें राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के तहत प्रमाणित भारतीय जैविक उत्पादों के लिए समूह अपने हाइपर मार्केट में निश्चित जगह, उत्पाद नमूनाकरण, इंटरैक्टिव इवेंट और उपभोक्ता फीडबैक ड्राइव चलाने का काम करेगा। इसके साथ ही, क्रेता-विक्रेता बैठक जैसे प्रचार अभियान चलाए जाएंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार नए उच्च स्तर पर पहुंचा

एजेंसी । मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह सितंबर को समाप्त सप्ताह में 5.25 अरब डॉलर बढ़कर 689.23 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 2.29 अरब डॉलर बढ़कर 683.99 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, छह सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.11 अरब डॉलर बढ़कर 604.14 अरब डॉलर हो गईं।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में छह पैसे की बढ़त

एजेंसी । मुंबई

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया छह पैसे की तेजी के साथ 83.90 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में डॉलर के कमजोर होने तथा विदेशी पूंजी प्रवाह के कारण रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपये का कारोबार सीमित दायरे में रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) घरेलू मुद्रा पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.92 पर खुला और कारोबार के दौरान

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.85 के उच्चतम स्तर पर गया और 83.98 के निम्नतम स्तर तक आया। अंत में 83.90 (अस्थायी) पर बंद हुई, जो पिछले बंद भाव से छह पैसे अधिक है।

हिंदी भाषा वह नदी है जो साहित्य, संस्कृति और समाज को एक साथ बहा ले जाती है।
- रामधारी सिंह 'दिनकर'

रोहित एंड कंपनी ने एम ए चिदंबरम स्टेडियम में शुरू किया अभ्यास, बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से यहां शुरू होगा पहला टेस्ट मुकाबला

ब्रेक के बाद एक्शन मोड में टीम इंडिया

नंबर गेम

- 23 विकेट अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ झटके हैं। अगर नौ विकेट लेने में सफल रहते हैं तो वह जहीर (31) को पीछे छोड़कर इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय बन जाएंगे
- 363 विकेट यह स्पिनर घर में अब तक 60 मुकाबलों में चटका चुका है जो भारतीय रिकॉर्ड है। अनिल कुंबले (350 विकेट) दूसरे नंबर पर हैं
- 26 विकेट इस साल उन्होंने पांच टेस्ट मुकाबलों में 4.12 की इकोनॉमी से चटकाए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट भी शामिल हैं। भारतीयों में बुमराह (27) ही उनसे आगे हैं
- 42 विकेट सर्वाधिक भारत की ओर से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इस चक्र में अश्विन ने 3.43 की इकोनॉमी से झटके हैं। वह ओवरऑल सूची में छठे स्थान पर हैं

एजेंसी । चेन्नई

एक महीने के ब्रेक के बाद टीम इंडिया एक्शन मोड में आ गई है। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए रोहित एंड कंपनी ने शुक्रवार से अभ्यास शुरू कर दिया। पहले अभ्यास सत्र में विराट कोहली ने नेट पर 45 मिनट बिताए। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी जमकर पसीना बहाया। बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट 19 सितंबर से खेला जाएगा। रोहित और कोहली समेत पूरी टीम एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर एकत्र हुई। नए गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल और सहायक कोच अभिषेक नायर भी मौजूद थे। बीसीसीआई ने पहले दिन के अभ्यास की तस्वीरें साझा करके लिखा, उलटी गिनती शुरू। टीम इंडिया ने रोमांचक घरेलू सत्र के लिए तैयारी शुरू कर दी। तस्वीरों में दिखाया गया है कि पूरी टीम गंभीर, सहयोगी स्टाफ और कप्तान रोहित की बात ध्यान से सुन रही है।

गौतम का पहला 'टेस्ट'

नए कोच गौतम गंभीर की टीम के साथ यह पहली टेस्ट सीरीज है। इसमें गौतम के साथ ही नए गेंदबाजी कोच मोर्नी का भी इम्तिहान होगा। गौतम ने जुलाई में जिम्मेदारी संभाली थी। अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 से हार मिली थी। एक मैच टाई रहा था। हालांकि टी-20 सीरीज में टीम ने 3-0 से सफाया किया था। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। भारत को इसके बाद न्यूजीलैंड से तीन और ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेलनी है।

लंदन से पहुंचे कोहली

इससे पहले पीली जर्सी पहने रोहित सुरक्षाकर्मियों के घेरे में हवाई अड्डे से बाहर निकले जबकि विराट लंदन से सीधे तड़के यहां पहुंचे हैं। तेज गेंदबाज बुमराह, बल्लेबाज केएल राहुल, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गुरुवार को ही यहां पहुंच गए थे। खिलाड़ी एक महीने से अधिक के ब्रेक के बाद मैदान पर लौटेंगे।

शीर्ष पर है भारत

भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में 68.52 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है। टीम ने नौ में से छह टेस्ट जीते हैं जबकि दो हारे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम 62.52 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे जबकि न्यूजीलैंड 50 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। बांग्लादेश (45.83 प्रतिशत अंक) चौथे नंबर पर है। बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान को उसके घर में 2-0 से पटखनी देकर भारत आएगी।

अश्विन के निशाने वाल्श का रिकॉर्ड

पांच महीने बाद मैदान में उतरने वाले भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन के निशाने पर वेस्टइंडीज के दिग्गज कॉर्टनी वाल्श का रिकॉर्ड होगा। अश्विन अब तक 100 मैचों में 2.81 की इकोनॉमी से 516 विकेट चटका चुके हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से दो दिन पहले अपना 38वां जन्मदिन मनाने वाले अश्विन चार विकेट चटकाते हुए सर्वाधिक विकेट लेने वाले दुनिया के नौवें बल्लेबाज बन जाएंगे। वह वाल्श (519) को पीछे छोड़ देंगे। भारत के लिए अश्विन से ज्यादा विकेट सिर्फ अनिल कुंबले (619) ने ही झटके हैं। वहीं ओवरऑल रिकॉर्ड श्रीलंकाई दिग्गज मुथैया मुरलीधरन (800) के नाम है।

वॉर्न को भी छोड़ सकते हैं पीछे

यही नहीं अश्विन अगर इन दो टेस्ट में दो बार पारी में पांच-पांच विकेट लेने में सफल रहते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सर्वाधिक बार यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। अब तक उन्होंने 36 बार यह कारनामा किया है न्यूजीलैंड के सर रिचर्ड हेडली के साथ संयुक्त तीसरे नंबर पर हैं। उनसे आगे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न (37 बार) और मुरलीधरन (67 बार) ही हैं।

नडाल बर्लिन में होने वाले लावेर कप से हटे

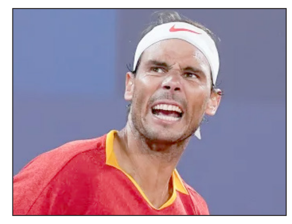

एजेंसी । बर्लिन

राफेल नडाल ने अगले सप्ताह बर्लिन में होने वाले लावेर कप से नाम वापस ले लिया है। अभी यह तय नहीं है कि स्पेन का यह महान टेनिस खिलाड़ी आगे कब खेलेगा। लावेर कप 20 से 22 सितंबर के बीच खेला जाएगा। लावेर कप से ही रोजर फेडरर ने 2022 में टेनिस को अलविदा कहा था जिन्होंने युगल में नडाल के साथ खेला था। नडाल पेरिस ओलंपिक के बाद से कोर्ट पर नहीं उतरे हैं। उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए निराशा हो रही है कि मैं अगले सप्ताह बर्लिन में लावेर कप नहीं खेल सकूंगा। यह टीम स्पर्धा है और मैं टीम यूरोप का समर्थक हूं। मुझे वही करना है जो टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ है।

बिना कोई गेंद फेंके रद्द हुआ अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड टेस्ट

बिना कोई गेंद फेंके रद्द टेस्ट मैच

25-8-1890 ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर, ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड
08-07-1938 ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर, ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड
31-12-1970 मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड, ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड
03-02-1989 कैरिसब्रुक, डुनेडिन, न्यूजीलैंड-पाकिस्तान
10-03-1990 बोरूडा, जॉर्जटाउन, इंग्लैंड-वेस्टइंडीज
17-12-1998 फैसलाबाद, पाकिस्तान-जिम्बाब्वे
18-12-1998 कैरिसब्रुक, डुनेडिन, भारत-न्यूजीलैंड
13-09-2024 ग्रेटर नोएडा, अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड

एजेंसी । ग्रेटर नोएडा

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में शुक्रवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। देश में पहली बार कोई टेस्ट एक भी गेंद फेंके बगैर लगातार बारिश के कारण रद्द हो गया। हालांकि इसमें भारतीय टीम शामिल नहीं थी। 91 साल के इतिहास में एशिया में रद्द होने वाला यह पहला टेस्ट है।

टेस्ट में आठवां मौका

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट कोई गेंद फेंके बगैर रद्द घोषित कर दिया गया। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसी स्थिति आठवीं बार आई है। इससे पहले सात बार ही ऐसा हुआ है जब कोई गेंद फेंके बिना मैच रद्द हुआ हो। पिछली बार ऐसा 26 साल पहले 1998 में हुआ था। उस समय भी न्यूजीलैंड टीम ही थी जिसे डुनेडिन में भारत से खेलना था। उसी साल और उसी दिन फैसलाबाद में पाकिस्तान और जिम्बाब्वे का टेस्ट भी घने कोहरे के कारण बिना किसी खेल के रद्द किया गया था।

21 सदीं में पहली बार

जो सात टेस्ट रद्द हुए थे वे पिछली सदी के थे और एशिया से बाहर खेले गए थे। इस सदी में ऐसा पहली बार हुआ है। हाल यह रहा कि दोनों कप्तान भारी बारिश के कारण टॉस के लिए भी मैदान में नहीं उतर सके। अफगानिस्तान इस मैच की मेजबान था जिसे शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिलता। आईसीसी से 2017 में टेस्ट टीम का दर्जा मिलने के बाद यह उसका दसवां टेस्ट था, हालांकि यह विश्व चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा नहीं है।

एआईएफएफ के पदाधिकारी बर्खास्त हों: भूटिया

एजेंसी । नई दिल्ली

दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) में मौजूदा पदाधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने हाल के दिनों में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय संस्था को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि भारतीय फुटबॉल के लिए रोडमैप के अभाव के कारण तीन देशों के इंटरकॉन्टिनेंटल कप में भारत को घरेलू धरती पर सीरिया (0-3) के हाथों शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। मॉरीशस के खिलाफ मैच ड्रॉ रहा। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह अच्छा संकेत नहीं है। पिछले कुछ समय से हमारे प्रदर्शन में लगातार गिरावट आ रही है। हम पहले शीर्ष 100 में शामिल थे लेकिन अब 125वें स्थान पर खिसक गए हैं। मुझे लगता है कि फुटबॉल को एक नए शासी निकाय और चुनाव तथा नई शुरुआत की जरूरत है। नहीं तो फुटबॉल में हमारा स्तर लगातार गिर रहा है। मुझे लगता है कि खेल को आगे बढ़ाने के लिए वास्तव में गंभीर चर्चा, गहन बहस होनी चाहिए। हमारे संविधान में सुधार किया जाना चाहिए, मामला अभी उच्चतम न्यायालय में है। मुझे उम्मीद है कि उच्चतम न्यायालय जल्द से जल्द फैसला सुनाएगा। महासंघ को नए संविधान और नई संस्था की जरूरत है। महासंघ के नए चुनाव कराने होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी : पांचवें मैच में पाक को पस्त करने उतरेगा भारत

- 180 हॉकी मुकाबले अब तक भारत और पाक के बीच खेले गए
- 82 में पाक जीता जबकि 66 में भारत, 32 मुकाबले बेनतीजा रहे
- 25 पिछले मैच में से 16 में भारत और 5 में पाक जीता, 4 ड्रॉ रहे

एजेंसी । हुलुनबुइर

सेमीफाइनल में जगह बना चुकी अपराजेय भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में शनिवार को पाकिस्तान से भिड़ेगी। चार मैचों में चार जीत के बाद अब भारत की नजर अपने पांचवें और आखिरी राउंड रॉबिन मैच में पाक को भी पस्त करने पर है। गत विजेता भारत अंकतालिका में शीर्ष जबकि पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है।

जीत का चौका

पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत ने टूर्नामेंट में अब तक चीन को 3-0 से, जापान को 5-1, मलेशिया को 8-1 और कोरिया को 3-1 से हराया है। दूसरी ओर महान फॉरवर्ड ताहिर जमां के मार्गदर्शन में खेल रही पाकिस्तानी टीम ने मलेशिया और कोरिया से 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके अलावा जापान को 2-1 और चीन को 5-1 से पराजित किया।

विक्रांत मैसी हैं दिमाग घुमा देने वाली इस कहानी का असली करिश्मा

- फिल्म 'सेक्टर 36' रिव्यू
- दोपहर स्टार- 3.5/5

3.5 ★★★★☆

अभिनेता विक्रांत मैसी पिछली बार फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में दिखे थे और इसमें उनके काम की तारीफ हुई थी। इससे पहले OTT पर आई उनकी फिल्म 'ब्लैकआउट' भी दर्शकों को पसंद आई थी। फिल्म दर फिल्म विक्रांत का कद इंडस्ट्री में बढ़ता जा रहा है। उनकी फिल्म 'सेक्टर 36' का भी दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था, जो आज यानी 13 सितंबर को खत्म हो गया है। फिल्म नेटफ्लिक्स पर आ गई है।

साइको किलर के इर्द-गिर्द बुनी गई फिल्म की कहानी

इस फिल्म की कहानी साइको किलर बने प्रेम सिंह (विक्रांत) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बच्चों का अपहरण कर उनकी बड़ी बेरहमी से हत्या करता है। वह एक अमीर मोहल्ले, सेक्टर 36 के एक बड़े घर में काम करने वाला कर्मचारी है, जो बाहर से बड़ा विनम्र दिखता है, लेकिन असल में एक खौफनाक हत्यारा है। यह फिल्म झुग्गी बस्ती के उन बच्चों की कहानी सामने लाती है, जिनकी हत्या से लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ता।

क्या लापता बच्चों को इंसाफ दिला पाएंगे पांडे साहब?

झुग्गी बस्ती से लगातार बच्चे गायब हो रहे हैं, लेकिन पुलिस अधिकारी राम चरण पांडे (दीपक डोबरियाल) मामले को गंभीरता से तब लेता है, जब उसकी बेटी इन घटनाओं की चपेट में आती है। वह मामलों की गुत्थी सुलझाने में जुट जाता है और लगातार सामने आ रहीं घटनाओं से उसके हाथ-पैर ठंडे हो जाते हैं। अब पांडे साहब दिमाग के परखच्चे उड़ा देने वाली इन घटनाओं की गुत्थी सुलझा पाएंगे या नहीं।

सन्न कर देगी विक्रांत और दीपक डोबरियाल की बेजोड़ अदाकारी

पर्दे पर विक्रांत की क्रूरता हैरान करती है। उन्होंने इतना धांसू अभिनय किया है कि उनके किरदार से नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है। उनके हाव-भाव कमाल के हैं। सीरियल किलर के रूप में उनका अभिनय फिल्म को एक नई ऊंचाई पर ले जाता है। उधर पुलिसवाले राम चरण पांडे के किरदार में दीपक का प्रदर्शन भी अभिनय सीखने वालों के लिए एक क्लास है। आकाश खुराना और दर्शन जरीवाला ने भी अपना-अपना किरदार पूरी सच्चाई से निभाया है।

कहां रह गई कमी?

कहानी बीच में अपना असर खोती है, जिससे रोमांच थोड़ा कम हो जाता है। पटकथा और बेहतर हो सकती थी।फिल्म का पहला हिस्सा दूसरे हिस्से के मुकाबले कमजोर लगता है। उधर पुलिस की जांच बखूबी दिखाने में भी यह कहीं न कहीं चूक जाती है।

देखें या ना देखें?

क्यों देखें?- क्राइम ड्रामा के शौकीनों और विक्रांत के प्रशंसकों के लिए तो यह फिल्म बेशक एक नजराना है। उधर 'स्त्री 2' की तरह निर्माता दिनेश विजान की यह फिल्म भी एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव दे जाती है और याद रह जाती है।

क्यों न देखें?- देखिए फिल्म में हिंसा या कहें खून-खराबा बहुत है। ऐसे में अगर आप कमजोर दिलवाले हैं तो दिल दहला देने वाले दृश्यों से लबरेज इस फिल्म से आप दूर ही रहें।

निर्देशक भी पूरे नंबर से पास

आदित्य निम्बालकर ने दिमाग के पुर्जे खोल देने वाली इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। उन्होंने एक ऐसी फिल्म दर्शकों के बीच पेश की है, जो सोचने पर मजबूर करती है, झकझोरती है और रोंगटे खड़ी करती है। जटिल, गंभीर और एक संवदेनशील विषय को बड़ी सहजता से उन्होंने पर्दे पर उतारा है। वह फिल्म में वो भय और क्रूरता दिखाने में कामयाब रहे हैं, जिससे किसी की भी कंपकंपी छूट सकती है।

'खतरों के खिलाड़ी 4' के फिनाले में आएंगी आलिया भट्ट

अभिनेत्री आलिया भट्ट को पिछली बार फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। इसके जरिए उन्होंने हॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

अब खबर आ रही है कि आलिया और वेदांग रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' के फिनाले में नजर आएंगे। रोहित शेट्टी का स्टंट पर आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 14वें सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है और यह अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। इस शो का ग्रैंड फिनाले जल्द हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया और वेदांग अपनी आगामी फिल्म 'जिगरा' के प्रचार के सिलसिले में 'खतरों के खिलाड़ी 14' के फिनाले में आएंगे और शो को शोभा बढ़ाएंगे। शो का प्रोमो वीडियो जल्द जारी किया जाएगा।

'जो तेरा है वो मेरा है' का ट्रेलर रिलीज

परेश रावल पिछली बार फिल्म 'सरफिरा' में नजर आए थे, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। पिछले कुछ समय से परेश अपनी आगामी फिल्म 'जो तेरा है वो मेरा है' को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राज त्रिवेदी ने संभाली है।

अब निर्माताओं ने 'जो तेरा है वो मेरा है' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी से भरपूर है। 'जो तेरा है वो मेरा है' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि OTT प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 20 सितंबर, 2024 से OTT प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर किया जाएगा। ट्रेलर में परेश की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। अजय जी राय इस फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म में अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी, सोनाली सेगल, फैसल मलिक और आदित्य रावल जैसे सितारे भी नजर आने वाले हैं। अजय जी राय इस फिल्म के निर्माता हैं।

युवराज सिंह की बायोपिक में नजर आएंगी फातिमा सना शेख

पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह की जिंदगी पर फिल्म बनने जा रही है। उनकी बायोपिक फिल्म का ऐलान हो गया है। भूषण कुमार फिल्म के निर्माता हैं, वहीं रवि भागचंदका ने इसके निर्देशक की कमान संभाली है। युवराज की बायोपिक फिल्म के शीर्षक का ऐलान होना बाकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, युवराज के किरदार के लिए रणबीर कपूर को चुना जा सकता है। अब खबर आ रही है युवराज की बायोपिक से अभिनेत्री फातिमा सना शेख जुड़ गई हैं।

निर्माताओं ने किया संपर्क

रिपोर्ट के मुताबिक, युवराज की बायोपिक में फामिता उनकी प्रेमिका की भूमिका निभा सकती हैं। फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने अभिनेत्री से संपर्क किया है। पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच बातचीत जारी है। कहा जा रहा है कि फातिमा को फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और उन्होंने इसके लिए हामी भी भर दी है।

संजय लीला भंसाली की 'तुम ही हो' में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

संजय लीला भंसाली बॉलीवुड के बेहतरीन निर्देशकों में से एक हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा को एक से बढ़कर एक शानदार फिल्मों की सौगात दी है। कुछ समय पहले नेटफ्लिक्स पर भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला। अब खबर आ रही है कि भंसाली एक म्यूजिक आधारित प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं, जिसमें अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

संगीतकार की भूमिका में नजर आएंगे सिद्धांत

एक रिपोर्ट के मुताबिक, भंसाली की आगामी फिल्म का शीर्षक 'तुम ही हो' हो सकता है। इस फिल्म में सिद्धांत की जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनेगी। यह पहला मौका है, जब दोनों कलाकार किसी फिल्म में साथ दिखाई देंगे। सिद्धांत और मृणाल फिल्म में संगीतकारों की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

न्यूज़ ब्रीफ

बांग्लादेशी नागरिकों के भारतीय पासपोर्ट बनवाने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। अवैध रूप से भारत में घुसे बांग्लादेशी नागरिकों के फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले शख्स को एयरपोर्ट पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी मो. मासूम को फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट बनवाने के लिए 50 हजार रुपए मिलते थे। कबूतरबाजी में उसका साथ देने वाले एजेंट रिजाउल को पहले ही पुलिस नोएडा से गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार बीते 18 जून को मेहदी खान, मोहेदुल शेख और मो. सोजिव खान भारतीय पासपोर्ट पर बैंकॉक जाने के लिए आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचे थे। पूछताछ में पता चला कि वह तीनों बांग्लादेशी नागरिक हैं। इनमें से मेहदी और मोहेदुल बालिग थे जबकि तीसरा आरोपी नाबालिग निकला। इस शिकायत पर मामला दर्ज कर एयरपोर्ट पुलिस ने छानबीन शुरु की।

बीएसएफ को 700 पंप एक्शन गन देगा मध्य प्रदेश वन विभाग

भोपाल। मध्य प्रदेश वन विभाग बीएसएफ को अपने शस्त्रागार से 700 पंप एक्शन गन देगा। बांग्लादेश में हालिया राजनीतिक उथल-पुथल के चलते घुसपैठ की कोशिशों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मध्य प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (संरक्षण) पीके सिंह ने शनिवार को कहा कि इन बंदूकों से रबर की गोलियां चलाई जाती हैं। इनका इस्तेमाल राज्य में शिकारियों और पेड़ काटने वाले गिरोहों के खिलाफ किया जाता है। उन्होंने पुष्टि की कि बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय से पत्र मिलने के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने वन विभाग से ये बंदूकें मांगी थीं। इन बंदूकों को 2008 में अमेरिका से आयात किया गया था।

बंगाल में ईडी का छापा

राशन स्कैम मामले में दुकान व्यापारियों, फूड इंस्पेक्टर के ठिकानों पर तलाशी ली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राशन स्कैम मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को कई जगहों पर छापा मारा। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि जॉयनगर, देगंगा, कल्याणी और बसंती में राशन दुकान व्यापारियों के घरों और गोदामों, एक फूड इंस्पेक्टर के घर और एक कोऑपरेटिव बैंक ब्रांच में तलाशी ली गई है। कोलकाता में भी छापेमारी की गई। अधिकारियों के मुताबिक, छापेमारी का मकसद करोड़ों रुपए के घोटाले के लिंक को उजागर करना है। राशन घोटाले में बंगाल के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को पिछले साल अक्टूबर में गिरफ्तार किया गया था। इसी मामले को लेकर ईडी ने जुलाई 2024 में राज्य भर में 10 जगहों पर छापेमारी की थी। इनमें TMC नेता शेख शाहजहां, बकीबुर रहमान, अनीसुर रहमान और बारिक बिस्वास के आवास शामिल हैं। सभी मलिक के करीबी हैं।

हरियाणा के पूर्व मंत्री कर्ण कंबोज ने छोड़ी भाजपा

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मंत्री कर्ण देव कंबोज शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। वे टिकट कटने से नाराज थे। पिछले दिनों मुख्यमंत्री नायब सैनी कंबोज को मनाने के लिए उनके निवास स्थान पर गए थे।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

आरोपी संजय रॉय का नहीं होगा नार्को टेस्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

कोलकाता में डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के आरोपी संजय रॉय का नार्को टेस्ट नहीं होगा। मामले की जांच कर रही सीबीआई को नार्को टेस्ट की अनुमति नहीं मिली। जांच एजेंसी ने बंगाल की सियालदाह कोर्ट में आरोपी के नार्को टेस्ट के लिए याचिका दायर की थी। हालांकि, संजय ने खुद इसकी इजाजत देने से मना कर दिया, जिसके बाद अदालत ने इसकी मंजूरी नहीं दी।

आरोपी संजय रॉय ने नहीं दी अनुमति

दरअसल, सीबीआई संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट के बाद अब नार्को एनालिसिस टेस्ट कराने की तैयारी की थी। लिहाजा, जांच एजेंसी ने नार्को टेस्ट की अनुमति के लिए सियालदह कोर्ट में अपील की थी। इसके तहत शुक्रवार को आरोपी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, लेकिन उसने मजिस्ट्रेट के सामने नार्को टेस्ट के लिए अपनी सहमति नहीं दी, जिसके बाद कोर्ट ने सीबीआई की अर्जी को खारिज कर दिया।

नार्को टेस्ट से खुलता रेप और हत्या का राज!

नार्को टेस्ट कराने का उद्देश्य यह जांचना था कि क्या आरोपित संजय रॉय सच बोल रहा है। नार्को एनालिसिस टेस्ट से एजेंसी को उसके बयान की पुष्टि करने में मदद मिलती। सीबीआई के अधिकारी के मुताबकि नार्को एनालिसिस टेस्ट के दौरान व्यक्ति के शरीर में सोडियम पेंटोथल नाम की दवा इंजेक्ट की जाती है, जो उसे सम्मोहन की स्थिति में ले जाती है और उसकी कल्पना को बेअसर कर देती है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर मामलों में आरोपी सही जानकारी देता है।

व्यक्ति की सहमति जरूरी

बता दें कि नियमों के मुताबिक, नार्को टेस्ट के लिए आरोपी व्यक्ति की सहमति लेना भी जरूरी होता है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि नार्को एनालिसिस, ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ टेस्ट किसी भी व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किए जा सकते।

जूनियर डॉक्टरों ने राष्ट्रपति-PM को चिट्ठी लिखी

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8 अगस्त को हुए ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर के खिलाफ जूनियर डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी है। डॉक्टरों और बंगाल सरकार के बीच प्रदर्शन खत्म करने पर सहमति नहीं बन पा रही है। अब डॉक्टरों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मामले में दखल देने की मांग है। उन्होंने गुरुवार (12 सितंबर) की रात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी को लेटर भेजा। उन्होंने लिखा- आपका दखल हमें चारों ओर से घिरे अंधेरे से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा।

सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने आरोपों को नकारा

एजेंसी । नई दिल्ली

पूंजी बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने अनियमितता बरतने और हितों के टकराव को लेकर कांग्रेस की तरफ से लगाए गए आरोपों से शुक्रवार को इनकार करते हुए कहा कि ये आरोप गलत, प्रेरित और मानहानिकारक हैं। बुच ने कहा कि कांग्रेस की तरफ से लगाए गए आरोप उनके द्वारा दाखिल आयकर रिटर्न में दर्ज विवरणों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय मामलों से जुड़ी सभी सूचनाओं का उनकी तरफ से पूरी तरह खुलासा किया गया है और करों का उचित भुगतान भी किया गया है। सेबी प्रमुख ने अपने बयान में कहा, हमारे आयकर

रिटर्न से जुड़े विवरण स्पष्ट रूप से धोखाधड़ी वाले तरीकों और अवैध ढंग से हासिल किए गए हैं। यह न केवल हमारी गोपनीयता के अधिकार (जो एक मौलिक अधिकार है) का स्पष्ट उल्लंघन है, बल्कि आयकर अधिनियम का भी उल्लंघन है।

क्या है सेबी प्रमुख और उनके पति के खिलाफ आरोप ?

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने हाल ही में सेबी प्रमुख और उनके पति के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं जिसमें उनसे संबंधित एक सलाहकार कंपनी से जुड़े हितों के टकराव का आरोप भी लगाया गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि धवल बुच ने महिंद्रा समूह से 4.78 करोड़ रुपए उस समय अर्जित किए जब सेबी नियमों के उल्लंघन को लेकर उस कंपनी के खिलाफ जांच कर रहा था।

अडानी समूह ने भी आरोपों से किया इंकार

स्विट्जरलैंड के अधिकारियों ने धन शोधन जांच के तहत ताइवान के एक व्यक्ति के स्विस बैंक खातों में जमा 31.1 करोड़ डॉलर (2,610 करोड़ रुपए) को जब्त कर लिया है। अधिकारियों को संदेह है कि वह अदाणी समूह का मुखौटा हो सकता है। हालांकि, समूह ने इस आरोप का पुरजोर तरीके से खंडन करते हुए कहा कि वह न तो किसी स्विस अदालती कार्यवाही में शामिल है और न ही उसका कोई खाता जब्त हुआ है। अडानी समूह ने अमेरिका की शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उसका स्विट्जरलैंड में किसी भी अदालती कार्यवाही से कोई संबंध नहीं है।

भारत की 'सीक्रेट मिसाइल' का सफल परीक्षण

एक सेकेंड में डेढ़ किलोमीटर की स्पीड से करती है हमला

एजेंसी । बालेश्वर

डीआरडीओ ने आज शुक्रवार 13 सितंबर को सुबह 10.45 बजे और बीते रोज (12 सितंबर को) दोपहर 3.18 बजे जमीन से हवा में प्रहार करने वाली घातक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। लगातार दो दिनों में दो बार अलग-अलग समय में कम दूरी से प्रहार करने वाली घातक मिसाइल का सफल परीक्षण से देश की ताकत में इजाफा हुआ है।

सतह से हवा में अटैक

सतह से हवा में मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र वीएलएसआरएसएएम का सफल परीक्षण किया गया है। इस मिसाइल की खासियत यह है कि यह दुश्मन की रडार की पकड़ में नहीं आती है। यह पलक झपकते ही दुश्मन के किसी भी हवाई खतरे को तहस-नहस करने में कामयाब रहती है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 80 किलोमीटर तक है। भारतीय डीआरडीओ ने वर्टिकली लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का सफल परीक्षण कर अपने स्वदेशी ज्ञान कौशल का एक उत्तम नमूना पेश किया है।

जंगी जहाज और जमीन पर हो सकेगी इस्तेमाल

यह मिसाइल संपूर्ण रूप से स्वदेशी है। नौसेना के जंगी जहाज में इसे वर्टिकल लॉन्च सिस्टम में लगाया जाता है, इसलिए इसे वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल भी कहते हैं। इसका इस्तेमाल जमीन से भी किया जा सकता है। डीआरडीओ ने भारत की तीनों सेनाओं जल, थल और वायु को ताकतवर बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ा दिया है। नई और पुरानी मिसाइल का आधुनिकरण कर डीआरडीओ भारतीय सेना के लिए इस तरह के मिसाइल परीक्षण करता है।

मिसाइल ने सटीक निशाना बनाया

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन तथा भारतीय नौसेना ने ओडिशा के चांदीपुर एकीकृत परीक्षण रेंज से इस मिसाइल का लगातार दूसरे दिन दूसरी बार सफल परीक्षण किया है। वर्टिकल लॉन्चर से दागी गई मिसाइल की मदद से तेज गति वाले हवाई लक्ष्य पर सटीक निशाना साधा गया था। आज के परीक्षण को देखते हुए चांदीपुर लॉन्चिंग कंपलेक्स एसएल तीन के नजदीक ढाई किलोमीटर के करीब 6 गांव से 3100 लोगों को सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक अस्थायी शिवरों में रखा गया था। परीक्षण के लिए भी देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत ने डीआरडीओ की पूरी टीम को बधाई दी है।

तृणमूल नेता ने सीबीआई पर आरोपपत्र में देरी का लगाया आरोप

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आरजी कर अस्पताल मामले में शुक्रवार को सीबीआई पर निशाना साधते हुए कहा कि वह आरोपपत्र दाखिल करने में देरी कर रही है। उन्होंने मामले में त्वरित न्याय की मांग की। ब्रायन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आरजी कर पीड़ित के परिवार को न्याय के लिए कब तक इंतजार करना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट मामले की निगरानी कर रहा है। सीबीआई

के पास आरोपी और सभी सबूत हैं। वह आरोपपत्र दाखिल करके मुकदमा क्यों नहीं शुरू कर रही? राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता ब्रायन ने कहा कि सीबीआई मुकदमे में देरी क्यों कर रही है? हमें जवाब चाहिए।

ममता का इस्तीफा राष्ट्र हित में होगा : विजयवर्गीय

भाजपा नेता और मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शुक्रवार को कहा कि अगर ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देती हैं तो यह राष्ट्र और राज्य के हित में होगा। विजयवर्गीय ने दावा किया कि इससे सूबे में मानवाधिकारों की सुरक्षा भी होगी। पश्चिम बंगाल में बहुत अधिक असंवैधानिकता फैली है। बता दें कि ममता ने एक दिन पहले कहा था कि वह लोगों की खातिर इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं।

मोदी सरकार की बड़ी कूटनीतिक जीत

रूसी सेना ने मुक्त किए 45 भारतीय, पीएम मोदी ने पुतिन के सामने उठाया था मुद्दा

एजेंसी । नई दिल्ली

रूस की सेना में धोखे से भर्ती किए गए भारतीयों को मुक्त कराने की मोदी सरकार की कोशिश को बड़ी सफलता मिली है। सरकार की इन कोशिशों का ही नतीजा है कि रूस ने अपनी सेना से 45 भारतीय नागरिकों को मुक्त कर दिया है। 50 और भारतीयों को मुक्त कराने की प्रक्रिया चल रही है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत जुलाई में रूस यात्रा के दौरान रूसी सेना में शामिल भारतीयों की रिहाई का मुद्दा उठाया था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, रूसी सेना ने 45 भारतीयों को मुक्त कर दिया गया है, जबकि रूसी सेना में अभी भी करीब 50 भारतीय हैं। इनको मुक्त कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और इस बारे में रूसी सरकार के साथ वार्ता चल रही है।

पीएम मोदी ने रूस यात्रा में उठाया था मुद्दा

बता दें कि गत जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी ने मॉस्को की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से कहा था कि उनकी सेना में जिन भारतीयों को रखा गया है, उनकी जल्द से जल्द रिहाई होनी चाहिए। पुतिन ने भरोसा भी दिलाया था।

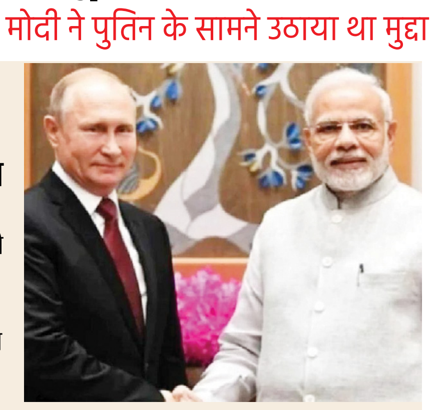

गलत सूचना के आधार पर किया गया था भर्ती

यूक्रेन के साथ युद्ध की शुरुआत के बाद रूसी सेना में भारत के अलावा नेपाल, श्रीलंका व दूसरे अन्य देशों के लोगों को शामिल किया गया है। रूसी सेना में भर्ती भारतीयों ने गलत सूचना के आधार पर वहां भर्ती होने की बात कही थी। इसी तरह के आरोप नेपाली नागरिकों ने भी लगाए थे। यूक्रेन के साथ संघर्ष में रूस की ओर से लड़ने में कई भारतीयों की मौत की खबर भी आई थी।

राशन घोटाला मामले में ईडी ने मारे छापे

एजेंसी । कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राशन घोटाले से जुड़े आरोपों के मामले में शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कई स्थानों में छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि करोड़ों रुपए के घोटाले में शामिल अन्य लोगों का पर्दाफाश करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। संघीय जांच एजेंसी के अनुसार, ईडी के अधिकारियों ने राशन दुकान, व्यापारियों के घरों और गोदामों, एक खाद्य निरीक्षक के आवास और

एक सहकारी बैंक की जयनगर, देगांगा, कल्याणी और बसंती स्थित शाखा जैसे स्थानों पर तलाशी ली। उन्होंने बताया कि कोलकाता में भी छापेमारी की गई।

पूर्व खाद्य मंत्री को किया था गिरफ्तार

राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को इस मामले में पिछले साल अक्तूबर में गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने इसी मामले के सिलसिले में जुलाई में राज्य भर के 10 स्थानों पर छापेमारी की थी। संघीय जांच एजेंसी ने शेख शाहजहां, बाकिबुर रहमान, अनीसुर रहमान और बारिक बिस्वास के आवास की तलाशी ली थी। ये सभी मलिक के करीबी सहयोगी हैं।

फटकार | किसी के अपराध में शामिल होने का आरोप उसकी संपति ध्वस्त करने का आधार नहीं हो सकता

बुलडोजर एक्शन कानूनों पर बुलडोजर चलाने जैसा : SC

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बुलडोजर एक्शन देश के कानूनों पर बुलडोजर चलाने जैसा है। किसी के अपराध में शामिल होने का आरोप उसकी संपत्ति ध्वस्त करने का आधार नहीं हो सकता। जस्टिस ऋषिकेश रॉय, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने एक घर गिराने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति ने अपराध किया है तो उसके पूरे परिवार या कानूनी तरीके से बनाए उसके घर पर एक्शन नहीं ले सकते हैं। सितंबर में यह दूसरा मौका है, जब सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर नाराजगी जाहिर की है। इससे पहले 2 सितंबर को कोर्ट ने कहा था कि किसी केस में व्यक्ति दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है।

दो दशकों से घर में रह रही हैं आरोपी के परिवार की तीन पीढ़ियां

गुजरात के खेड़ा नगर पालिका ने दी थी बुलडोजर एक्शन की धमकी दरअसल, गुजरात में नगरपालिका की तरफ से एक परिवार को बुलडोजर एक्शन की धमकी दी गई थी। याचिकाकर्ता गुजरात के खेड़ा जिले के कठलाल में एक जमीन का सह-मालिक है। उनके खिलाफ 1 सितंबर 2024 को एक मामले में FIR दर्ज की गई थी। याचिकाकर्ता के अनुसार, FIR दर्ज होने के बाद नगर निगम के अधिकारियों ने उसके घर पर बुलडोजर चलाने की धमकी दी। उसने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि आरोपी के परिवार की तीन पीढ़ियां लगभग दो दशकों से उस घर में रह रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- कोर्ट में कानूनी प्रक्रिया से अपराध साबित करिए

याचिकाकर्ता की दलील पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपी के खिलाफ अपराध को कानूनी प्रक्रिया के जरिए कोर्ट में साबित किया जाना चाहिए। जिस देश में कानून सर्वोच्च है, वहां ऐसी धमकियों को कोर्ट नजरअंदाज नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने नगरपालिका अधिकारियों को नोटिस जारी किया और मामले में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। कोर्ट ने राज्य और नगर निगम से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

मणिपुर के 5 जिलों में ब्राडबैंड इंटरनेट से बैन हटा

मोबाइल इंटरनेट पर 15 सितंबर तक प्रतिबंध

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर सरकार ने शुक्रवार को पांच जिलों में ब्रॉडबैंड इंटरनेट सर्विस पर लगे बैन को हटा दिया। हालांकि मोबाइल इंटरनेट पर लगा प्रतिबंध 15 सितंबर तक जारी रहेगा। मणिपुर में अचानक बढ़ी हिंसक घटनाओं के बाद राज्य सरकार ने 10 सितंबर को 5 दिन के लिए इंटरनेट पर बैन लगाया था।

सितंबर महीने की शुरुआत में हमला

सितंबर महीने की शुरुआत में कुकी उग्रवादियों ने मैतेई इलाकों में ड्रोन और रॉकेट से हमला किया था। इसमें 2 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 10 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इसके बाद राजधानी इंफाल में मैतेई समुह के छात्रों ने प्रदर्शन किया था। छात्रों ने राजभवन पर पत्थरबाजी की थी। पुलिस ने भी आंसू गैस के गोले छोड़े थे। उन्होंने सेंट्रल फोर्सेस पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए उनसे राज्य छोड़कर जाने की मांग की। साथ ही राज्य में यूनिफाइड कमांड की कमान मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को दी जाए। यानी, सेंट्रल और स्टेट फोर्स की कमान केंद्र की बजाय मुख्यमंत्री के पास हो। ये लोग DGP और सिक्योरिटी एडवाइजर को हटाने की भी मांग कर रहे हैं।